CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-276
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अपने रास्ते खुद चुनिए।
क्योंकि आपको आपसे बेहतर
कोई नहीं जानता।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 10 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

देश के पहले हाइड्रोजन-सीएनजी वाहन का नितिन गडकरी ने किया अनावरण

इंदौर। केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पीथमपुर में देश की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी से चलने वाले बाजा व्हीकल का अनावरण किया। इस वाहन को कॉलेज के छात्रों ने बनाया है। इस वाहन के लिए एटीवी व्हीकल की तकनीक वॉल्वो आयशर की तरफ से उपलब्ध कराई गई। यह वाहन पांच प्रतिशत हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से चलता है। इस मौके पर मंत्री गडकरी ने कहा कि हम लगातार इथेनॉल, बायोडीजल,सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग बढ़ावा दे रहे हैं। देश में अब इसका चलन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उनकी इनोवा कार इथेनॉल और बिजली से चलती है। वह प्रदूषण नहीं करती है। उन्होंने कहा कि सरकार वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है। पीथमपुर में नेट्रैक्स पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ऑटो इंडस्ट्री में अब लगातार रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। पांच साल में इस सेक्टर में पांच लाख नौकरियां मिली हैं।

छात्रों द्वारा बनाए व्हीकल की तारीफ पीथमपुर में नेट्रैक्स पर आयोजित कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने देश की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी बाजा व्हीकल का अनावरण किया। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों द्वारा बनाए व्हीकल की तारीफ की। उन्होंने कहा यह जो स्किल डेवलपमेंट का काम कर रहे हैं, ये बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि देश की सभी बड़ी कंपनियां भविष्य के हिसाब से पेटोल-डीजल के अलावा दूसरे विकल्प पर काम कर रही हैं। देश में अब सीएनजी से चलने वाली बाइक है, जो 1 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से

चलती है। इसके साथ ही अब देश में सीएनजी से चलने वाले ट्रैक्टर भी आ रहे हैं।

5 प्रतिशत हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से चलेगा वाहन बाजा एसए ई इंडिया के एडवाइजर केसी बोहरा ने कहा कि 18 साल से हम लगातार बदलाव करते आए हैं। हमने जैसे 2007 में आईसी इंजन बाहा शुरू किया था, फिर 2015 में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल शुरू किया था। पिछले साल हमने सीएनजी गाड़ी शुरू की थी। पूरे व्हीकल सीएनजी में दौड़े थे। इस साल हमने एचसीएनजी यानी हाइड्रोजन सीएनजी व्हीकल शुरू किया है। बता दें कि हाइड्रोजन-सीएनजी व्हीकल 5 प्रतिशत हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से चलेगा।

स्थिर गतिशीलता की दिशा में एक बड़ा कदम गडकरी ने कहा कि हम सबको मिलकर भारत को ऊर्जा को आयात करने वाले देश से निर्यात करने वाला बनाना है। यह वाहन वोल्वो आयशर द्वारा व्यवस्थित 5% हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से संचालित है। इसका इंजन ग्रीव्स कॉटन का बाइ-फ्यूल इंजेक्शन है, जो स्थिर गतिशीलता की दिशा में एक बड़ा कदम है। वोल्वो ग्रुप इंडिया की उपाध्यक्ष मारिया एबेसन ने बताया कि 2025 में सीएनजी में 5त्न हाइड्रोजन मिश्रण का उपयोग किया जाएगा और 2026 में इसे बढ़ाकर 18त्न किया जाएगा।

व्हीकल बनाने में दो महीने से ज्यादा का समय लगा इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्र प्रज्वल पाल ने बताया कि व्हीकल बनाने में उन्हें दो महीने से ज्यादा का समय लगा। करीब 5 लाख की लागत आई। आज से तीन दिन तक इस वाहन के ब्रेक, स्टीयरिंग और स्पीड समेत अन्य टेस्ट होंगे। यह वाहन 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ऊबड़ खाबड़ पथरीले रास्ते पर चलने में सक्षम है। 2 किलो लीटर हाइड्रो सीएनजी में यह करीब 40 किलोमीटर तक चलेगा।

कोलकाता रेप कांड के आरोपी के लिए सीबीआई ने की सजा-ए-मौत की मांग

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पिछले वर्ष अगस्त में ड्यूटी पर तैनात एक ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में सीबीआई ने आरोपी संजय रॉय को मौत की सजा देने का अनुरोध किया है। सियालदह की सीबीआई अदालत इस मामले में अब 18 जनवरी को फैसला सुनाएंगे। कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई को मामले की जांच सौंपी गई थी। गुरुवार को इस मुकदमे की सुनवाई पूरी हो गई, जिसके बाद सियालदह अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि फैसला 18 जनवरी को सुनाया जाएगा। मृतक महिला चिकित्सक के माता-पिता ने उम्मीद जताई है कि अपराध में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार करके अदालत में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। महिला चिकित्सक का शव नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सभागार में मिला था। कोलकाता पुलिस ने आरोपी रॉय को अगले दिन गिरफ्तार कर लिया था। दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले की बंद कमरे में सुनवाई 12 नवंबर को शुरू हुई थी। इस अपराध के कारण देशभर में आक्रोश फैल गया था और कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों ने पीड़िता के लिए न्याय और सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम की मांग करते हुए लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन किया था। कोलकाता पुलिस ने 31 वर्षीय महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में कथित भूमिका के लिए 10 अगस्त को नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया था।

1.63 लाख लाड़ली बहनों को जनवरी से 1250 रुपए नहीं मिलेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत इस बार राज्य की करीब 1 लाख 63 हजार महिलाओं का नाम सूची से हटा दिया गया है। महिला और बाल विकास विभाग ने इन महिलाओं को अपात्र घोषित कर दिया है, जिसके कारण इन्हें जनवरी 2025 में मिलने वाली 1250 रुपए की किस्त नहीं मिलेगी। इन महिलाओं की उम्र 60 साल या उससे अधिक हो गई है, जिस कारण उन्हें लाड़ली बहना योजना से बाहर किया गया है। आगामी 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद जयंती के मौके पर आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में 1250 रुपए की किस्त की राशि महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की जाएगी, हालांकि 1.26 करोड़ पात्र लाभार्थियों को ही यह राशि प्राप्त हो सकेगी। बता दें 11 दिसंबर 2024 को 1.28 करोड़ महिलाओं के खातों में कुल 1572 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे।

अब जनवरी में 20वीं किस्त का वितरण किया जाएगा, जिसमें सिर्फ पात्र महिलाएं ही शामिल होंगी। लाड़ली बहनों के नाम योजना से काटने पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहनों से सरकार की धोखाधड़ी जारी है। ऐसा लगता है जैसे भाजपा लाड़ली बहना योजना समाप्त करना चाहती है। उन्होंने लिखा कि चुनाव से पहले जो भाजपा लाड़ली बहनों को 3 हजार रुपया प्रतिमाह देने का वादा कर रही थी, वही भाजपा अब सम्मान राशि बढ़ाने की जगह लगातार लाड़ली बहनों की संख्या घटाने में लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1.63 लाख लाड़ली बहनें इस योजना से बाहर कर दी गई है। दावा ये किया जा रहा है कि जिन महिलाओं की उम्र 60 वर्ष से अधिक हो गई है, उन्हें योजना से बाहर किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन महिलाओं की उम्र योजना में शामिल होने के लिए पात्र बन गई है उनका नया पंजीकरण क्यों नहीं किया जा रहा है?

महाकुंभ में अडानी रोज 1 लाख भक्तों को बांटेंगे महाप्रसाद

प्रयागराज । मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के साथ मिलकर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में महाप्रसाद सेवा का आयोजन किया है। इस सेवा के तहत प्रतिदिन लगभग 1 लाख भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा, जिसमें 18,000 सफाईकर्मी भी शामिल होंगे। महाप्रसाद में रोटी, दाल, चावल, सब्जियां और मिठाई शामिल होंगी। इसके अलावा, अडानी ग्रुप विशेष रूप से दिव्यांग, बुजुर्ग और बच्चों के लिए गोल्फ कार्ट की सुविधा भी प्रदान करेगा, जिससे उन्हें मेले में आने-जाने में सुविधा हो सके। अडानी ग्रुप ने गोरखपुर स्थित गीता प्रेस के साथ भी एक साझेदारी की है, जिसके तहत करीब 1 करोड़ 'आरती संग्रह' पुस्तकों की छपाई की जाएगी। इस आरती संग्रह में शिव, लक्ष्मी, गणेश, विष्णु, दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं को समर्पित भक्ति गीत शामिल हैं। इन पुस्तकों को महाकुंभ मेले में निःशुल्क वितरित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस वर्ष महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है और इसे 6,382 करोड़ रुपये के बजट में आयोजित किया जा रहा है। महाकुंभ मेला 30 से 45 दिनों तक चलेगा। यह 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होगा। प्रमुख स्नान तिथियों में 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान (उद्घाटन दिवस), 15 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान (शाही स्नान), 3 फरवरी को बसंत पंचमी स्नान (शाही स्नान), 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान (समापन दिवस) शामिल हैं।

प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर पीतांबरी पोशाक पहनेंगे रामलला, 11 को भव्य अभिषेक

अयोध्या। प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव पर 11 जनवरी को राम मंदिर में विराजमान बालकराम पीतांबरी पहनकर दर्शन देंगे। रामलला की उत्सव मूर्ति व बालक राम के लिए दिल्ली में विशेष वस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। इन वस्त्रों की बुनाई व कढ़ाई सोने-चांदी के तार से की जा रही है। साथ ही जगह-जगह चांदी की छाप भी बनाई जा रही है। यह वस्त्र 10 जनवरी तक अयोध्या पहुंच जाएंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर तीन दिवसीय समारोह 11, 12 व 13 जनवरी को आयोजित होगा। 11 जनवरी

को समारोह का शुभारंभ रामलला के अभिषेक से होगा। सुबह 10 बजे से रामलला के पूजन व अभिषेक का सिलसिला शुरू होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जिस विधिविधान से रामलला का अभिषेक किया गया था, उसी तर्ज पर प्रतिष्ठा द्वादशी पर भी रामलला का अभिषेक पंचामृत, सरयू जल आदि से किया जाएगा। अभिषेक-पूजन के बाद ठीक 12:20 बजे रामलला की महाआरती होगी। 22 जनवरी को 12:20 बजे ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला- माता-पिता से अपनी पढ़ाई का खर्च वसूल सकती है बेटी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक दंपति के विवाद को लेकर सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेटी को अपने माता-पिता से पढ़ाई का खर्च वसूलने का पूरा अधिकार है। माता-पिता को उनके आय के साधनों के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। 26 साल से अलग रह रहे दंपति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। दंपति की बेटी आयरलैंड में पढ़ रही थी। बेटी ने पिछले दिनों अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपये लेने से इनकार कर दिया था। इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि बेटी को अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च वसूलने का एक अविभाज्य, कानूनी रूप से लागू करने योग्य और वैध अधिकार है। बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है। इसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

एलएंडटी के चेयरमैन की सलाह- 90 घंटे काम करो...घर पर बीवी को ही निहारोगे

नई दिल्ली। मशहूर बिजनेसमैन और एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने हफ्ते में 90 घंटे काम की सलाह दी। उन्होंने तर्क दिया कि घर पर रहकर बीवी को ही निहारोगे न, इसलिए रविवार को भी काम पर आओ। सुब्रह्मण्यन ने यह टिप्पणी तब की जब उनसे कंपनी की 6 डे वर्किंग नीति के बारे में पूछा गया। वर्किंग ऑवर को लेकर इस बहस की शुरुआत सबसे पहले इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने की थी। उन्होंने हफ्ते में 70 घंटे ड्यूटी का सुझाव दिया था। हालांकि, सुब्रह्मण्यन ने एक कदम आगे जाकर कहा कि सप्ताह में 90 घंटे काम होना चाहिए। एक वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, मुझे दुख है कि वे रविवार को काम नहीं करा सकते हैं, मुझे अच्छा लगेगा कि अगर संडे को भी काम किया जाए। उन्होंने कहा कि आप अपनी

पत्नी को कितनी देर तक निहारोगे? उन्होंने कर्मचारियों से घर पर कम और कार्यालय में अधिक समय बिताने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि घर पर बैठकर क्या करते हो? कब तक अपनी पत्नी को निहारते रहोगे? चलो, दफ्तर जाओ और काम शुरू करो।

चीनी व्यक्ति के साथ हुई बातचीत का किस्सा

अपनी बात को सही बताते हुए सुब्रह्मण्यन ने एक चीनी व्यक्ति के साथ हुई बातचीत का किस्सा सुनाया। उनके अनुसार, उस व्यक्ति ने दावा किया था कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल सकता है क्योंकि चीनी कर्मचारी प्रति सप्ताह 90 घंटे काम करते हैं जबकि अमेरिकी 50 घंटे काम करते हैं। वे आगे कहते हैं कि अगर आपको दुनिया में शीर्ष पर रहना है, तो आपको सप्ताह में 90 घंटे काम करना होगा। चलिए, दोस्तों आगे निकलते हैं।

समूह ने किया बयान का बचाव

एलएंडटी समूह ने चेयरमैन के बयान का बचाव करते हुए कहा कि हम राष्ट्र-निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध हैं। बयान में एलएंडटी के प्रवक्ता ने कहा- कंपनी में राष्ट्र-निर्माण हमारे जनादेश के मूल में है। आठ दशक से अधिक समय से हम भारत के इंफ्रा, उद्योग और तकनीकी क्षमताओं को नया रूप दे रहे हैं। हमारा मानना ??है कि यह भारत का दशक है। विकसित राष्ट्र बनने के हमारे दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सामूहिक समर्पण और प्रयास की जरूरत है।

गडकरी ने किया इंदौर-खंडवा रोड का हवाई दौरा, निर्माण में देरी पर जताई चिंता

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर-खंडवा रोड निर्माण की देरी को लेकर केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चिंता जताई है और उन्होंने अफसरों से कहा कि सड़क और नर्मदा नदी पर मोरटक्का ब्रिज का निर्माण सिंहस्थ से पहले हर हाल में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ठेकदार की तरफ से देरी होती है तो फिर एक्शन ले, लेकिन प्रोजेक्ट में देरी न हो। विमानतल पर आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए। बैठक में यह भी तय हुआ कि डकाच्या से पीथमपुर तक बनने वाले पूर्वी बायपास का निर्माण भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण करेगा। सड़क निर्माण के अलावा मार्ग के लिए अन्य

सुविधाएं प्रदेश सरकार जुटाएगी। यह सड़क 38 गांवों से होकर गुजरेगी। इसकी लंबाई 70 किलोमीटर से ज्यादा की होगी।

इस रिंग रोड में कंपेल, तिल्लौर, बड़गोंदा सहित अन्य गांव जुड़ेंगे। बैठक में मंत्री गडकरी ने अफसरों से कहा कि सिंहस्थ से पहले मोरटक्का ब्रिज का निर्माण पूरा होना चाहिए। ब्रिज के आसपास ज्योर्तिलिंग की थीम पर सौंदर्यीकरण हो।

...तो ठेकेदार को टर्मिनेट कर दो

गडकरी ने कहा कि सिंहस्थ के समय उज्जैन आने वाले श्रद्धालु अ?ींकारेश्वर भी जाएंगे, इसलिए तय समय में घाटों पर सुरंग, ब्रिजों का निर्माण होना चाहिए। बैठक में इंदौर के आसपास के अन्य प्रोजेक्टों पर भी चर्चा हुई। इंदौर -खंडवा रोड के निर्माण की देरी का मुद्दा पूर्व मेयर कृष्णमुरारी मोघे ने भी मंत्री गडकरी के सामने उठाया था। इसके बाद मंत्री ने अफसरों से कहा कि यदि काम ठीक से नहीं हो रहा है तो ठेकेदार को टर्मिनेट कर दो।

सुमित्रा महाजन से की मुलाकात

मंत्री गडकरी इंदौर में नाथ मंदिर में भी दर्शन के लिए गए। वहां वे करीब आधे घंटे रुके। यहां उन्होंने पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन से भी मुलाकात की। कुछ परिचित गडकरी के लिए इंदौर के नमकीन भेंट स्वरुप लाए। जिन्हें पाकर वे खुश हो गए और कहा कि इंदौर के नमकीन तो उन्हें काफी पसंद है। वे नमकीन को अपने साथ लेकर गए।

ग्राहकों से करोड़ों का फ्रॉड, बैंक कर्मचारी गिरोह का पर्दाफाश

आईसीआईसीआई बैंक के कर्मचारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बैंकिग सिस्टम की सुविधा का दुरुपयोग कर, लोगों के साथ करोड़ों रुपये के बैंकिंग फ्रॉड करने वाले बैंक कर्मचारियों के गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। गिरोह ने इंदौर सहित पंजाब, गुजरात, तेलंगाना के करीब दर्जनभर व्यापारियों के साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। आईसीआईसीआई बैंक के कर्मचारियों को पुलिस थाना विजय नगर ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कउकउक बैंक विनवे वर्ल्ड ऑफिस विजयनगर में आरोपी नौकरी करते थे। वहीं से उन्होंने इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आईसीआईसीआई बैंक के एक कर्मचारी ने खुद पासवर्ड बदल लिए और एक दर्जन खातों से आनलाइन शॉपिंग कर लाखों रुपये कीमत के एप्पल-16 प्रोमेक्स, सैमसंग एस-24 अल्ट्रा जैसे मोबाइल फोन और गोल्ड खरीदे। मास्टर माइंड आरोपी कमल है और उसका बैंक सहकर्मी अभिषेक इस घोटाले के लिए आंध्रप्रदेश से फर्जी सिमकार्ड लाया था। सिमकार्ड देने वाला पाइंट ऑफ सेल का कर्मचारी भी गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने बताया आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए घटना में प्रयुक्त सिमकार्ड आंध्रप्रदेश से लिए ताकि लोकेशन आंध्रा की आए। इसके लिए फ्लाइट से साथी लवदीप को वापस आंध्रप्रदेश भेजा। लवदीप ने आंध्रप्रदेश में जाकर फिर से सिमकार्ड नष्ट किए।

इस तरह हुआ खुलासा

आईसीआईसीआई बैंक विनवे वर्ल्ड इंदौर द्वारा थाना विजयनगर में शिकायत की गई थी। शिकायत में बताया गया कि बैंक के दर्जन भर करंट अकाउंट खातों से बिना ओ.टी.पी. /पासवर्ड बताए आनलाइन बैंकिग के माध्यम से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी हुई है। इस पर थाना विजयनगर पर अप. क्र. 851/24 धोखाधड़ी की धाराओं में पंजीबद्द कर जांच में लिया गया। पुलिस उपायुक्त जोन 2 अभिनय विश्वकर्मा और अति. पुलिस उपायुक्त जोन 2 अमरेंद्र सिंह, एसीपी विजयनगर आदित्य पटले (आईपीएस) द्वारा थाना प्रभारी विजयनगर चंद्रकांत पटेल को शीघ्र प्रकरण की जांच करने के आदेश दिए गए।

आरोपियों ने एपल के महंगे फोन और गैजेट्स खरीदे

थाना प्रभारी विजयनगर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और घटना में संलिप्त आईसीआईसीआई बैंक कर्मचारी कमल कुमावत, अभिषेक मालवीय, स्टेनली जैकब व उनके साथी लवदीप सिंह को दिनांक 08/01/2024 की रात्रि में गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से करीब 20 लाख रुपये कीमत के महंगे एप्पल 16 प्रोमैक्स, सैमसंग एस 24 अल्ट्रा, जेड फ्लिप 6, स्मार्ट वाचेज, गैमिग प्लेस्टेशन आदि जप्त किए गए हैं। सभी खाता धारकों की करीब 52 लाख रुपये की धनराशी भी वापस कराई गई है। तीनों आरोपियों ने तनिष्क एप से ई गोल्ड भी खरीदा था।

बैंक के साफ्टवेयर का ही उपयोग किया

पुलिस ने बताया कि आरोपी कमल कुमावत आईसीआईसीआई बैंक विनवे वर्ल्ड ऑफिस विजयनगर में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्य करता था। विभिन्न शहरों से कस्टमर के कॉल आने पर उनकी समस्याओं का निवारण करने का कार्य आरोपी कमल के पास था। काम के लिए आरोपी कमल को आईसीआईसीआई बैंक के आई. व्यू सॉफ्टवेयर में कस्टमर्स के खातों के ट्रांजेक्शन्स के ओ.टी.पी. जाते दिखाई दिए तब आरोपी के मन में लालच आ गया और कुछ दिन बाद आईसीआईसीआई बैंक विनवे वर्ल्ड ऑफिस में कार्य के दौरान आरोपी कमल कुमावत ने एक करंट अकाउंट में अच्छा बैलेंस देखकर आईसीआईसीआई ब्बैंक के आई. व्यू सॉफ्टवेयर में से कस्टमर का यूजर आई.डी. देखकर अपने मोबाइल फोन में बैंक की इंटरनेट बैंकिग साइट खोलकर यूजर आई.डी. डालकर फोरगेट पासवर्ड किया गया। इसके बाद बैंकिग सर्वर से पासवर्ड रिसेट के लिए ओ.टी.पी. कस्टमर को भेजा गया जो आरोपी कमल कुमावत को बैंक के आई. व्यू सॉफ्टवेयर में दिखाई दिया, उक्त ओ.टी.पी. से अपराध कर लिया गया।

खुद को समझने लगा 'पुष्पा' और करने लगा शराब की तस्करी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पुलिस ने शराब तस्करी के नेटवर्क का भांडाफोड़ किया है। तस्कर फिल्म पुष्पा द रूल की तर्ज पर तस्करी करता था। तस्करी की तरीके के लिए आरोपित तीन बार फिल्म देखकर आया था। पूछताछ में गुजरात के शराब तस्कर और विधायक समर्थक ठेकेदार का नाम कबूला है। डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक सूचना मिली थी कि एसआर कंपाउंड स्थित एक गोदाम में बने केमिकल के गोदाम में रात के वक्त ट्रकों में संदिग्ध केमिकल के ड्रम भरे जा रहे हैं। पुलिस ने ड्रग्स सप्लाई का अड्डा समझकर छापा मारा और लाखों रुपये कीमती ब्रांडेड शराब की बोतलें देखकर दंग रह गई।

ये आरोपी आए पकड़ में

डीसीपी के मुताबिक पुलिस ने आरोपित राहुल गोपाल जायसवाल निवासी बोरी जोबट आलीराजपुर, अजयपाल तुलसीराम अहिरवार निवासी टपरिया बीना सागर, मनोज जगदीश प्रसाद तिवारी निवासी एसआर कंपाउंड लसूड़िया मौरी, हीरालाल उर्फ छोटू पुत्र श्यामलाल राय निवासी इंद्रागांधी वार्ड बीना और राजेश हरिशंकर रजक निवासी नानक वार्ड बीना को पकड़ लिया।

रात में होती थी पैकिंग

पुलिस ने तीन लाख 82 हजार रुपये कीमती 42 पेटी अवैध शराब जब्त की है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक आरोपित गिरोह का सरगना राहुल है। उसने फिल्म पुष्पा देखकर शराब सप्लाई का धंधा शुरू किया था। इसके पूर्व वह तीन बार फिल्म देखकर भी आया था। आरोपितों ने गोदाम के बाहर केमिकल कारखाने का बोर्ड लगा दिया था। अक्सर रात में ही पैकिंग होती थी। एमआर-11 स्थित एक शराब दुकान से थोक में शराब खरीद कर केमिकल के ड्रम में शराब की पैकिंग कर सील पैक कर देते थे। चैकिंग करने पर केमिकल के ड्रम बताकर ट्रक निकाल देते थे। पुलिस के मुताबिक ठेकेदार की भूमिका की जांच की जा रही है।

सोनू निकला साहिल, सस्ते मोबाइल दिलाकर लव जिहाद में फंसाता था

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ इलाके में बजरंग दल के कार्यकताओं ने एक युवक को पकड़ा, जो लड़कियों को सस्ते मोबाइल देने का झांसा देकर अपना नाम छिपाकर उनसे दोस्ती करता था। युवक ने अपना नाम सोनू बताकर कई लड़कियों को संपर्क में लिया और कैफे पर बुलाया। इस मामले में एक लड़की को भी थाने लाया गया, लेकिन उसने एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया। पुलिस ने युवक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। विश्व हिंदू परिषद के समरसता संयोजक तन्नु शर्मा ने जानकारी दी कि गणेश नगर के एक कैफे में सोनू मारवाड़ी नाम का एक युवक बैठा था और उसके साथ एक कॉलेज छात्रा भी थी। सूचना मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना असली नाम सोहेल बताया और कहा कि वह मोबाइल खरीदने-बेचने का काम करता है। वह लड़कियों को सस्ते मोबाइल का झांसा देकर उनसे संपर्क बनाता था। युवक का मोबाइल जब जांचा गया, तो उसमें 100 से अधिक लड़कियों के नंबर मिले। इसके साथ ही कई लड़कियों से उसकी चैटिंग भी सामने आई। तन्नु शर्मा ने आरोप लगाया कि सोहेल, जो खुद को सोनू बताता था, लड़कियों को बहन बनाकर उन्हें लव जिहाद जैसे मामलों में फंसा रहा था। बजरंग दल ने तुरंत उसे पुलिस के हवाले कर दिया। भंवरकुआ पुलिस स्टेशन के टीआई राजकुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। युवक का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है और पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि उसने और कितने लोगों को अपने जाल में फंसाया है। टीआई ने कहा कि लड़के के परिजन और दोस्तों से भी पूछताछ की जाएगी।

कार ने सब्जी बेचने वाले युवक को घसीटा, 5 दिन बाद अस्पताल में तोड़ा दम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ इलाके में शनिवार सुबह सब्जी बेचने वाले 18 वर्षीय हेमंत पंवार को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार युवक को कई फीट तक घसीटती ले गई। गंभीर हालत में हेमंत को अस्पताल भेजा गया, जहां 5 दिनों तक उपचार के बाद आज उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हेमंत (पुत्र महेश पंवार) भोलाराम उस्ताद मार्ग का निवासी था। उसके परिवार के अनुसार, हेमंत का 1 जनवरी को जन्मदिन था और उसने अपने माता-पिता से नया मोबाइल लिया था, जो हादसे में टूट गया। 4 जनवरी को वह हादसे का शिकार हो गया। परिवार ने बताया कि हेमंत के शरीर से बहुत खून बह गया था और उसे 27 बोतल खून चढ़ाया गया, लेकिन वह बच नहीं पाया। हेमंत के पिता गार्ड का काम करते हैं और उसके एक छोटा भाई और बहन हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हौम्योपैथी डॉक्टर ने बाउंसर और गार्ड पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एक हौम्योपैथी डॉक्टर ने अपने सुरक्षा के लिए रखे बाउंसर और सिक्योरिटी गार्ड पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों ने उसके घर से 10 लाख रुपए से भरा बैग चुरा लिया। महिला डॉक्टर ने द्वारकापुरी पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद बाउंसर अतीक, सिक्योरिटी गार्ड विजय और आकांक्षा कुशवाह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला डॉक्टर ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने ससुराल के लोगों से सुरक्षा के लिए अतीक और विजय को रखा था। 31 दिसंबर की रात दोनों ने उससे बदसलूकी की और 2 जनवरी को अतीक ने जबरदस्ती संबंध बनाने की कोशिश की। आरोप है कि बाद में ये लोग घर में सिगरेट और शराब पीने लगे और घर से 10 लाख रुपए से भरा बैग चुरा लिया। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। उधर, बाणगंगा में एक आरोपी ने अपनी पड़ोसी, जो शादीशुदा महिला है, से छेड़छाड़ की। महिला ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि उसके पति एक निजी कंपनी में काम करते हैं और उनके तीन बच्चे हैं। एक दिन उसकी छोटी बेटी घर के हॉल में झाड़ू लगा रही थी, तभी पड़ोसी रभ्भू यादव उसके घर में घुस आया। आरोपी ने महिला का हाथ पकड़कर कहा कि वह काफी समय से उससे बात करना चाहता था, और अब उसे मौका मिल गया है। महिला ने उसे धक्का मारा, लेकिन आरोपी ने उसकी साड़ी पकड़ ली। महिला ने अपनी बेटी के साथ कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। आरोपी दरवाजा खोलने की जिद करने लगा,

छेड़छाड़ कर रहे युवक को हिंदूवादियों ने पीटा, अकेला देख किया बैड टच

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सिंधी कॉलोनी इलाके के एक गार्डन में युवती के साथ छेड़छाड़ कर रहे युवक की हिंदूवादियों ने पिटाई कर दी। उसे मारते हुए थाने ले गए। बताया जाता है कि वह युवती के साथ एक ही दुकान पर काम करता है। उसे गार्डन में किसी काम के बहाने अपने साथ लेकर आया था। जूनी इंदौर पुलिस ने 22 साल की युवती की शिकायत पर रेहान खान निवासी आजाद नगर पर छेड़छाड़ को लेकर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक हिंदूवादियों के साथ युवती देर रात पहुंची थी। युवती ने बताया कि वह सपना संगीता स्थित एक शॉप में काम करती है। यहां रेहान भी काम करता है। नॉर्मल बातचीत काम के सिलसिले को लेकर होती है। रात में उसने मतलानी गार्डन तक किसी काम के लिए चलने को कहा। यहां बातचीत के दौरान गलत तरीके से टच किया। जबरदस्ती दोनों हाथ पकड़ लिए। इस दौरान आवाज सुनकर कुछ लोग वहां आ गए। उन्होंने रेहान को पकड़ लिया। परिवार को फोन कर घटना की जानकारी दी।

पार्षद विवाद मामले में पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पुलिस ने पार्षद कमलेश कालरा के घर पर हमला करने और उनकी मां और बेटे के साथ बदसलूकी करने के मामले में पांच आरोपियों को देर रात गिरफ्तार किया है। पांचो आरोपी एमआईसी सदस्य जीतू यादव के समर्थक बताए जा रहे है। पुलिस ने पार्षद कालरा की शिकायत पर 40 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। उनमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोपहर में बड़ी संख्या में दो नंबर के भाजपा कार्यकर्ता और कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र के रहवासी पलासिया चौराहा पहुंचे और पूर्वी क्षेत्र के पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पुलिस ने दोनो पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है,लेकिन समान रुप से एक्शन नहीं लिया जा रहा है। पुलिस ने बुधवार रात को हमले में शामिल पांच आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने इस मामले में ललित गोगड़े, कृष्णा पिता जितेंद्र शर्मा, अरुण यादव, विनय पिता जयप्रकाश और नवीन पिता सुरेशचंद्र आर्य को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की है। उनमें से कुछ यादव के क्षेत्र में लगे होडिंगों में भी नजर आए थे।

भाजपा संगठन भी ले सकता है एक्शन

पुलिस ने वीडियो में पिंटू शिंदे, धन्ना राय, बंटी ठाकुर, नवीन शर्मा और अक्षय दुबे की पहचान की है। भाजपा संगठन भी इस मामले में एक्शन ले सकता है। कालरा और यादव को शोकाज नोटिस संगठन ने दिया था। दोनो पार्षदों ने जवाब दे दिया है।

आपको बता दे कि पार्षद कालरा के घर पर 30-40 लोगों ने हमला किया था। इस दौरान उनके बेटे के कपड़े उतार दिए थे। घर के बाहर लगी पार्षद की नेमप्लेट भी तोड़ दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने 40 अज्ञात लोगों के खिलाख प्रकरण दर्ज किया था। बाद में निगमकर्मी यतींद्र यादव की शिकायत पर पार्षद कमलेश कालरा के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया।

भाजपा पार्षदों का विवाद मोदी-नड्डा तक पहुंचा

दो भाजपा पार्षदों का विवाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड?डा तक पहुंच गया है। पार्षद कमलेश कालरा ने पत्र लिखकर पार्टी पर पक्षपात करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, अब तक केवल नोटिस जारी किए गए। पार्षद और एमआईसी सदस्य जीतू यादव लिस्टेड गुंडा है। पार्टी को उसे निष्कासित कर देना चाहिए था। वहीं एमआईसी मेंबर जीतू यादव ने कहा, मेरा नाम जबरदस्ती घसीटा जा रहा है। वायरल ऑडियोझवीडियो की फॉरेंसिक जांच होनी चाहिए। इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मामले में दोनों पार्षदों ने पार्टी को बुधवार शाम को नोटिस का जवाब दे दिया है। वहीं, पुलिस ने भीड़ पर पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई हैं। बुधवार देर रात सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें, कमलेश कालरा इंदौर-4 की भाजपा विधायक मालिनी गौड़ और जीतू यादव इंदौर-2 के विधायक रमेश मेंदोला के करीबी हैं।

तीन-तीन पेज के जवाब संगठन को सौंपे

सूत्रों ने बताया कि यादव और कालरा दोनों ही ने तीन-तीन पेज के जवाब संगठन को सौंपे हैं। यादव ने जवाब में घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि वायरल हो रहे ऑडियो की फोरेंसिक जांच की जानी चाहिए। जबकि कालरा ने अपने जवाब में कहा है कि मैं पार्षद हूं।निगम के कर्मचारी ने कहा था कि मैं पार्षद का काम नहीं करूंगा। इसलिए मैं आक्रोशित हो गया था। कालरा ने अपने जवाब में मां, पत्नी और बेटे के साथ हुई घटना का हवाला देते हुए इसमें जीतू यादव के शामिल होने का आरोप लगाया है। एमआइसी सदस्य और पार्षद के बीच विवाद को चलते हुए एक सप्ताह होने आया है, लेकिन अब तक पार्टी का कोई बड़ा नेता इस मामले में खुलकर सामने नहीं आया है। शनिवार को कालरा के खातीवाला टैंक स्थित निवास पर उनके बेटे के साथ हुई घटना का वीडियो वायरल होने के साथ ही कालरा और यादव के बीच हुई बातचीत के तीन-चार ऑडियो वायरल हो रहे हैं।

बीजेपी जिलाध्यक्षों की सूची पर रार खत्म! सागर और धार जिलों में होंगे दो अध्यक्ष

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश बीजेपी के नए जिला अध्यक्षों की सूची, जो 5 जनवरी को जारी होनी थी, अब गुरुवार के बाद को घोषित होने की संभावना है। शीर्ष नेताओं में उम्मीदवारों को लेकर मतभेद के कारण देरी हुई। पार्टी पहले के 60 संगठनात्मक जिलों की बजाए अब 62 इकाइयों के लिए अध्यक्षों की घोषणा करेगी। सागर और धार, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की तरह दो जिला अध्यक्षों वाले बड़े जिले होंगे। सागर (ग्रामीण) और सागर (शहर) के लिए एक-एक जिलाध्यक्ष होगा, धार के लिए भी ऐसा ही होगा। पहले, बड़े शहरों वाले जिले को दो संगठनात्मक जिलों में विभाजित किया जाता था- एक शहर और दूसरा, ग्रामीण क्षेत्र। सागर और धार के विशाल आकार के कारण, इन दोनों जिलों में भी दो संगठनात्मक जिला अध्यक्ष होंगे। पिछले हफ्ते, रा'य इकाई ने 60 संगठनात्मक इकाइयों में से प्रत्येक के लिए नामों का एक पैनल भेजा। एक बीजेपी पदाधिकारी ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि इस बार, जिला अध्यक्ष पद की दौड़ लोकसभा टिकट की दौड़ से भी 'यादा प्रतिस्पर्धी रही है।

भोपाल जिला अध्यक्ष के लिए 'यादा थे दावेदार

बीजेपी से जुड़े एक पदाधिकारी ने कहा कि विधायक, पूर्व विधायक, यहां तक कि एक पूर्व सांसद भी भोपाल के जिला अध्यक्ष पद के लिए प्रयास कर रहे थे। ऐसे जिले भी रहे हैं, जहां प्रस्तावित उम्मीदवारों के पैनल में ×0 नाम शामिल थे। उस सूची में से एक नाम चुनना केंद्रीय नेतृत्व और रा'य के शीर्ष नेताओं के लिए एक कठिन काम रहा है।

अंतिम पसंद को लेकर उलझन

वहीं, जब हर संगठनात्मक जिले के लिए पैनल की सूची दिल्ली पहुंची, तो इसमें एक रोड़ा आ गया। पूर्व केंद्रीय मंत्रियों, वर्तमान केंद्रीय मंत्रियों, रा'य कैबिनेट मंत्रियों और कुछ वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारियों सहित बड़े रा'य नेता, चुने हुए उम्मीदवारों की अंतिम पसंद पर सहमत नहीं हो सके। गतिरोध का कारण यह है कि अब जो भी जिला अध्यक्ष मनोनीत होंगे, वे 2028 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव तक पद पर बने रहेंगे।

बस घोषणा है बाकी

× जनवरी को भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, बीजेपी राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश बीजेपी संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के बीच एक बंद कमरे में बैठक हुई। सूची पर गतिरोध जारी रहा और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की 5 जनवरी की समय सीमा बिना किसी घोषणा के बीत गई। 6 जनवरी को, मुख्यमंत्री मोहन यादव और वीडी शर्मा ने गतिरोध पर लंबी बैठक की। अगले दिन, शर्मा दिल्ली पहुंचे जहां उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन सचिव बीएल संतोष के साथ एक और बैठक की। इस बैठक के बाद जिला अध्यक्षों की सूची घोषित होने के लिए तैयार है।

अभी तारीख तय नहीं

लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि गुरुवार को सभी 62 जिला अध्यक्षों की घोषणा एक सूची में की जाएगी, या यह अगले कुछ दिनों में भागों में किया जाएगा। लेकिन जिला अध्यक्षों की पहली सूची जारी होने के तुरंत बाद, पार्टी अगले प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर देगी। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एक या दो दिन में रा'य की राजधानी पहुंचेंगे।

दिल्ली में दो दिन तक मंथन चला

बीजेपी के जिलाध्यक्षों को लेकर दिल्ली में दो दिनों तक मंथन चला। बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बीजेपी संगठन चुनाव के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। अब बीजेपी दो नए जिलों धार ग्रामीण और सागर ग्रामीण सहित सभी 62 जिलों के अध्यक्षों की घोषणा करेगी। जिलाध्यक्षों की घोषणा से ठीक पहले एमपी बीजेपी की एक बड़ी वर्चुअल मीटिंग हुई।

पार्टी कार्यालय पर हो नए अध्यक्ष का स्वागत

इस बैठक में बीजेपी के सभी वर्तमान जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, विधायक सांसद वर्चुअल जुड़े। वर्चुअल मीटिंग में बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री ने कहा- जिला अध्यक्षों को लेकर पूरी प्रक्रिया हो चुकी है। जिला अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा भी जल्द होगी।

लेकिन इस बात का सभी को ध्यान रखना चाहिए कि पार्टी का कार्यालय हमारी आस्था का मंदिर है। नए जिला अध्यक्ष की घोषणा के बाद उनका स्वागत कार्यालय में ही हो। किसी नेता के घर जाकर स्वागत सत्कार और आभार के प्रदर्शन के बजाय निवर्तमान अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए नए अध्यक्ष का सभी कार्यकर्ता स्वागत करें।

मप्र का संगठन देश में आदर्श

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- मप्र का संगठन देश में अग्रणी रहा है। संगठन पर्व में भी मप्र बीजेपी के कार्यकताओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया है। बूथ समितियों से लेकर मंडल के संगठन पर्व और अब जिला संगठन पर्व (जिला अध्यक्ष का चुनाव) में भी सबने उत्साह से भाग लिया है। वीडी शर्मा ने कहा आप सभी ने संगठन के हर कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया है। इसी आधार पर मप्र बीजेपी का संगठन देश में एक आदर्श संगठन के रूप में जाना जाता है।

चीनी वायरस को लेकर मध्यप्रदेश में कोरोना जैसी तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। चाइनीज वायरस एचएमपीवी को लेकर हड़कंप है। भारत में भी बढ़ते ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस को लेकर भोपाल एम्स ने गाइडलाइन जारी की है। ये गाइडलाइन एचएमपीवी से बचाव के उपायों और लोगों को जागरूक करने के लिए है। खासतौर पर ब'चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए। आईसीएमआर ने 6 जनवरी को कर्नाटक में एचएमपीवी के दो मामले दर्ज किए थे।

एम्स भोपाल ने एचएमपीवी के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह वायरस सांस से जुड़ी बीमारी का कारण बनता है। यह खासकर ब'चों, बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि जन जागरूकता बहुत जरूरी है। हम सभी से अपने और अपनों की सुरक्षा के लिए दिशानिदेर्शों का पालन करें। उन्होंने आगे कहा कि जन जागरूकता महत्वपूर्ण है और हम सभी को अपने और अपने प्रियजनों की रक्षा के लिए सुरक्षा दिशानिदेर्शों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि एचएमपीवी एक श्वसन वायरस है, जिसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था। यह मुख्य रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। यह निमोनिया फैमिली का ही एक वायरस है। इससे बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना जरूरी है। बार-बार हाथ धोएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। अगर आपको सांस लेने में तकलीफ, खांसी, बुखार या जुकाम जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की गई

एम्स भोपाल में एचएमपीवी मरीजों के इलाज के लिए सामान्य और आइसोलेशन बेड की सुविधा उपलब्ध है। गंभीर मामलों के लिए वेंटिलेटर से लैस आईसीयू बेड भी हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग में आरटी-पीसीआर जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। एम्स ने यह भी सलाह दी है कि फ्लू और निमोनिया के टीके लगवा लें। हालांकि अभी एचएमपीवी का कोई

टीका उपलब्ध नहीं है। लेकिन ये टीके आपको दूसरी बीमारियों से बचा सकते हैं।

कैसे फैलता है एचएमपीवी वायरस

एम्स भोपाल के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. देवाशीष विश्वास के मुताबिक यह वायरस मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली श्वसन बूंदों से फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित व्यक्ति से सीधे संपर्क में आने या दूषित सतहों को छूने के बाद आंख, नाक या मुंह को छूने से भी संक्रमण हो सकता है। एचएमपीवी के सामान्य लक्षणों में बुखार, नाक बहना, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, घरघराहट और थकान शामिल हैं। कभी-कभी यह निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस भी पैदा कर सकता है। सामान्य रूप से स्वस्थ लोग बिना किसी समस्या के ठीक हो जाते हैं, लेकिन छोटे ब'चों, बुजुर्गों और अस्थमा, हृदय रोग जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह वायरस 'यादा खतरनाक हो सकता है।

समय पर इलाज कराने पर दिक्कत नहीं

जीएमसी भोपाल के वरिष्ठ श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. पराग शर्मा ने बताया कि 21 साल पहले, 2001 में, यह वायरस नीदरलैंड में पाया गया था। ठंड के मौसम में जितने सामान्य फ्लू के मामले होते हैं, उनमें से लगभग एक फीसदी मामले एचएमपीवी वायरस के होते हैं। यह वायरस फ्लू वायरस की तरह हमेशा मौजूद रहता है, लेकिन ठंड के मौसम में 'यादा सक्रिय हो जाता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मरीज अगर लापरवाही न करें और समय पर इलाज कराएं, तो वे चार से पांच दिन में ठीक हो जाते हैं। हालांकि, जिन लोगों को सीपीओडी, टीबी, या फेफड़े से संबंधित गंभीर रोग हों, उन्हें अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

यह है इलाज

डॉ. प्रभाकर तिवारी, सीएमएचओ भोपाल के मुताबिक मरीज को पर्याप्त पानी पिलाना चाहिए ताकि वह हाइड्रेटेड रहे। मरीज को पूरी तरह से आराम करना चाहिए ताकि शरीर वायरस से लड़ने में सक्षम हो सके। दर्द और श्वसन समस्याओं के लिए दवाएं दी जा सकती हैं। गंभीर मामलों में, मरीज को ऑक्सीजन समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहने एचएमपीवी से बचने के लिए कुछ आसान सावधानियां हैं। हाथों को साबुन और पानी से 20 सेकेंड तक धोना चाहिए। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना जरूरी है। जब खांसी या छींक आए, तो मुंह और नाक को कोहनी या टिशू से ढंकना चाहिए। इसके अलावा, बार-बार छूने वाली चीजों को साफ रखना चाहिए और फ्लू तथा निमोनिया के टीके लगवाना चाहिए।

कांग्रेस की रैली से पहले 11 जनवरी से बीजेपी चलाएगी संविधान गौरव अभियान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में कांग्रेस 26 जनवरी को महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली करने जा रही है। कांग्रेस की रैली के पहले बीजेपी एक प्रदेश व्यापी अभियान चलाएगी। 11 जनवरी से 26 जनवरी तक भाजपा प्रदेश भर में संविधान गौरव अभियान चलाएगी। संविधान गौरव अभियान के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से लेकर जिला और मंडल स्तर तक के पदाधिकारी, विधायक, सांसद शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों कॉलेज में गोष्ठी, परिचचाओं का आयोजन करेंगे। समाज के गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों की संगोष्ठी और चौपाल का आयोजन भी होगा। गुरुवार सुबह बीजेपी की वर्चुअल बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कांग्रेस ने 70 सालों में संविधान में किस तरह से छेड़छाड़ की और बाबा साहब के साथ कांग्रेस ने जिस तरीके का भेदभाव किया उसे जनता के बीच बताने की जरूरत है। संविधान गौरव अभियान के दौरान सभी कार्यकर्ता इन गोष्ठियों में भाग लें और कांग्रेस की बाबा साहब को लेकर फैलाए जा रहे झूठ का मुंह तोड़ जवाब दें।

कांग्रेस ने संविधान को तार-तार करने का काम किया

नर्मदापुरम सांसद चौधरी दर्शन सिंह ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस है। संविधान को कांग्रेस ने तार-तार करने का काम किया है। वहीं, भाजपा ने प्रजातंत्र की रक्षा करते हुए लोकतंत्र की रक्षा का काम किया है। 11 जनवरी से लगातार अभियान चलेगा। मेरा संविधान मेरा गौरव, मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान इस भाव को लेकर जनता के बीच जाएंगे। जो विरोधी भ्रम फैलाने का काम करते हैं। जनता के बीच में उस भ्रम को दूर करने का प्रयास करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष बोले- ये अभियान ध्यान भटकाने की कोशिश

बीजेपी के अभियान पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- बीजेपी हमेशा ध्यान भटकाने की राजनीति करती है और संविधान में जो संशोधन कर रही है तो उन संशोधनों को रोकना चाहिए। आपकी सरकार लोकसभा में ऐसे संशोधन लाएगी, जिनसे जनता प्रभावित होती है। जैसे पिछले लोकसभा सत्र में यह संशोधन आया कि धरना प्रदर्शन पर कार्रवाई की जाएगी। देश में शांतिपूर्वक धरना-प्रदर्शन के अधिकार हैं तो उस अधिकार को भाजपा क्यों खत्म करना चाहती है। भाजपा खुद संविधान बदल रही है और जनता से झूठी बात कर रही है। अमित शाह ने पहले अंबेडकर जी पर ध्यान भटकाया अब बीजेपी यह अभियान और यात्रा चलाकर ध्यान भटकाना चाहती है।

नायब तहसीलदार के साथ साइबर फ्रॉड, 2.64 लाख की लगी चपत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में नए साल की पार्टी के लिए होटल ताज में बुकिंग कराने के दौरान एक नायब तहसीलदार साइबर ठगी का शिकार हो गईं। गूगल पर सर्च किए गए फर्जी नंबर से संपर्क करने के बाद उन्होंने अपने पति, सीआईएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट के क्रेडिट कार्ड की जानकारी साझा की, जिससे जालसाज ने 2.64 लाख रुपये उड़ा लिए। मामले की शिकायत थाने में की गई। एक सप्ताह की जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। शाहपुरा थाना प्रभारी लोकेश ठाकुर ने बताया कि अंकित दुबे सीआईएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर हैं और वर्तमान में उनकी पोस्टिंग छिंदवाड़ा जिले में है। उनकी पत्नी नायब तहसीलदार हैं। वह रोहित नगर, शाहपुरा में परिवार के साथ रहती हैं। ×1 दिसंबर को उन्हें परिवार के साथ नए साल की पार्टी के लिए होटल ताज जाना था। उनके पास होटल ताज का कोई संपर्क नंबर नहीं था, इसलिए उन्होंने गूगल के जरिए होटल का नंबर खोजा। पहले ही नंबर पर जो होटल ताज की वेबसाइट दिखी, उसे क्लिक करके उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने कहा कि बहुत कम टिकट बचे हुए हैं और जल्द से जल्द बुकिंग करनी होगी। जब नायब तहसीलदार ने बुकिंग के तरीके के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि वे क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान करेंगी। नायब तहसीलदार ने भुगतान के लिए अपने पति अंकित दुबे के क्रेडिट कार्ड की डिटेल कॉल करने वाले के साथ साझा कर दी। इसके बाद कॉल करने वाले ने एक ओटीपी भेजा, जो दुबे के मोबाइल पर आया। नायब तहसीलदार ने अपने पति को कॉल कर ओटीपी पूछा और वह ओटीपी कॉल करने वाले को बता दिया। भरोसा जीतने के लिए जालसाज ने पहले 102 रुपये भेजे।दूसरी बार में जालसाज ने क्रेडिट कार्ड से 2.64 लाख रुपये निकाल लिए। बड़ी रकम निकलने का मैसेज आते ही दुबे को ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने होटल ताज से संपर्क किया, तो पता चला कि उनके टिकट की कोई बुकिंग नहीं हुई है और वेबसाइट व मोबाइल नंबर होटल ताज का नहीं था।दुबे ने पहले अपने स्तर पर जालसाज का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे।

जंगल की सैर करने निकले थे भोपाल के साइकिलिस्ट, सामने आ गया टाइगर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के कुछ साइकिलिस्ट जंगल की सैर करने निकले। तभी उनके सामने टाइगर आ गया। 2 से × मिनट तक टाइगर घूमता रहा और फिर झाड़ियों में चला गया। बाघ के अचानक सामने आने से लोग सहम गए। जब टाइगर आगे बढ़ा, तब वे जा सके। बाघ के मूवमेंट का वीडियो गुरुवार को सामने आया है। वीडियो चार दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो की पड़ताल की गई तो पता चला कि यह अवधपुरी के दिलीप सिंह ने बनाया है, जो साइकिलिस्ट भी हैं। वे जब साथियों के साथ जंगल से गुजर रहे थे, तभी टाइगर उनके सामने आया।

साइकिलिस्ट दिलीप सिंह ने बताया कि जंगल से गुजर रहे थे, तभी झाड़ियों से टाइगर निकल आया। वो हमसे सिर्फ ×0 फीट दूर था। जैसे ही उसे देखा सहम गए। 2-× मिनट तक टाइगर आसपास मंडराता रहा। हम भी बिना हिले-डुले खड़े रहे। यदि थोड़ा सा भी बॉडी मूवमेंट होता तो टाइगर हमला कर देता। शुक्र है...सभी सुरक्षित बच गए और वापस लौट आए। अवधपुरी निवासी दिलीप सिंह ने बताया, वीडियो भोजपुर मंदिर के पीछे चिकलोद जंगल का है, जो उन्होंने ही बनाया था। चार दिन पहले रविवार को 25-×0 साथी साइकिल से आउटिंग पर गए थे। भोपाल से सब साथ में निकले। चिकलोद जंगल से गुजर रहे थे, तभी अचानक सामने बाघ आ गया। अचानक बाघ के दीदार होने की खुशी के साथ खौफ भी था। टाइगर और हमारे बीच की दूरी कुछ फीट की ही थी। भोपाल से जुड़े रायसेन के चिकलोद रेंज में कई टाइगर है। इनके मूवमेंट के मामले सामने आते रहे हैं। करीब चार महीने पहले चिकलोद रोड वरूखार के पास बाघिन का मूवमेंट देखने को मिला था। कई बार वन विभाग को टाइगर का रेस्क्यू तक करना पड़ा था।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल में क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में गुरुवार से प्रारंभ हुआ क्षेत्रीय रूपक महोत्सव दर्शकों को भारतीय संस्कृति की विभिन्न रंगों से रूबरू करवा रहा है। इस महोत्सव में देशभर से आए दस नाट्य दल संस्कृत में नाटक प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनमें जयपुर, भीलवाड़ा, नागपुर, नासिक, दिल्ली, भोपाल सहित कई अन्य स्थानों के दल शामिल हैं। कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी (कुल गुरु, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) हैं। इस महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी(पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली) उपस्थित थे। अन्य प्रमुख अतिथियों में प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी (निदेशक, भारत अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) और प्रो. नीलाभ तिवारी (सह निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल) शामिल थे। प्रो. नीलाभ तिवारी ने उद्घाटन सत्र में कहा कि भारत एक विविध संस्कृतियों का देश है और इस महोत्सव में दर्शकों को इसकी झलक मिलेगी।

रायपाल और सीएम ने लगाई कुलगुरुओं की क्लास

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। रायपाल और कुलाधिपति मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं की बैठक में शामिल हुए। रा'यपाल पटेल ने बैठक में कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में उ'च गुणवत्ता को लक्ष्य बनाए। लक्ष्य और प्राप्ति के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों को पर्याप्त स्वायत्ता दी गई है। जरूरी है कि कुलगुरु अपनी क्षमताओं, विश्वविद्यालय के संसाधनों और आस-पास के परिवेश के अनुसार विकास की संभावनाओं की पहचान करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में अपने सीमित दायरे से बाहर निकलें। वर्तमान की मांग और भविष्य की संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें। रा'यपाल पटेल ने कुलगुरुओं से कहा है कि विद्यार्थी कल्याण के विषयों के प्रति संवेदनशील रहें। अभिभावक अपने ब'चे सरकार के भरोसे पर शासकीय विश्वविद्यालयों में भेजते हैं। उनकी

देख-भाल पालक के दृष्टिकोण के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि कुलगुरु नियमित आधार पर छात्रावास, मेस, खेल सुविधाओं और कक्षाओं का नियमित निरीक्षण भी करें। विश्वविद्यालय क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों पर फोकस करें। डिग्री, डिप्लोमा के साथ ही मांग आधारित पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय बहु विषयक आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय बनें। परंपरागत विषयों के साथ ही मांग आधारित और रोजगार की उ'च संभावनाओं वाले कोर्स प्रारंभ करने के विशेष प्रयास करें। विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रदान स्वायत्तता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाएं। विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा, उत्कृष्ट शिक्षा, समय पर परीक्षा और तत्काल परिणाम घोषणा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था को बढ़ावा दें। इसी तरह प्रवेश के समय ही अंकसूची और डिग्री वितरण के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के डीजी लॉकर में उनकी त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो।

डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी हित में

बैठक में उ'च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि परीक्षाओं का प्रभावी, पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन जरूरी है। डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी हितों के अनुकूल है। विश्वविद्यालय परीक्षा मूल्यांकन संबंधी कार्यों में आधुनिक तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करें। समय पर परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए डिजिटल वैल्यूएशन प्रणाली की संभावनाओं को तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राशियों के जमा करने की व्यवस्था का भी परीक्षण करें। विश्वविद्यालय के विकास में राशि के उपयोग और निवेश के संबंध में भी कार्यवाही की जाना चाहिए।

सम्पादकीय

देश में मेट्रो का नेटवर्क एक हजार किमी होना बड़ी उपलब्धि

मध्यप्रदेश में पहली बार दो शहरों इंदौर और भोपाल को इसी साल मेट्रो की सौगात मिल जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि जनवरी महीने के अंत तक इंदौर के लोग मेट्रो में बैठकर सफर कर सकेंगे। वहीं केंद्र सरकार ने बताया है कि देश के 11 राज्यों के 23 शहरों में मेट्रो का कुल नेटवर्क 1,000 किलोमीटर से अधिक हो चुका है। लगभग 1,000 किलोमीटर का अतिरिक्त मार्ग अभी निमार्णाधीन है या फिर उसकी योजना उन्नत स्तर पर है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है क्योंकि देश विश्वस्तरीय शहरी अधोसंरचना तैयार करने में लगातार संघर्ष करता रहा है।

मध्यप्रदेश में पहली बार दो शहरों इंदौर और भोपाल को इसी साल मेट्रो की सौगात मिल जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि जनवरी महीने के अंत तक इंदौर के लोग मेट्रो में बैठकर सफर कर सकेंगे। वहीं केंद्र सरकार ने बताया है कि देश के 11 राज्यों के 23 शहरों में मेट्रो का कुल नेटवर्क 1,000 किलोमीटर से अधिक हो चुका है। लगभग 1,000 किलोमीटर का अतिरिक्त मार्ग अभी निमार्णाधीन है या फिर उसकी योजना उन्नत स्तर पर है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है क्योंकि देश विश्वस्तरीय शहरी अधोसंरचना तैयार करने में लगातार संघर्ष करता रहा है। दिल्ली जैसे शहरों में जहां मेट्रो रेल कारगर है वहां उसने शहरी जीवन के अनुभव में उल्लेखनीय परिवर्तन की क्षमता दिखाई है। दिल्ली ऐसा शहर नहीं है जहां सार्वजनिक शिष्टाचार पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाता हो लेकिन मेट्रो में लोग सड़क आदि की तुलना में शिष्टाचार का अधिक पालन करते हैं। आश्चर्य नहीं कि कई राज्य और वहां के नेता मेट्रो का विस्तार करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं ताकि हर शहर को यह अनुभव लेने का मौका मिल सके। जरूरत यह सुनिश्चित करने की है कि यह अनुभव विश्वस्तरीय बना रहे। इसमें प्रबंधन और रखरखाव की अहम भूमिका होगी। उदाहरण के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने कोलकाता मेट्रो की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया था जबकि कोलकाता मेट्रो देश की पहली मेट्रो सेवा है। केंद्र सरकार ने रियायती दर पर धन उपलब्ध कराकर इस आकांक्षा को पूरा करने में मदद की है। वर्ष 2021 से 2025 के बीच ही इस पर तीन लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। परंतु इस धनराशि का बहुत छोटा हिस्सा सीधे केंद्रीय बजट में आता है। उदाहरण के लिए चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण के लिए करीब 34,000 करोड़ रुपये की राशि तमिलनाडु सरकार द्वारा मुहैया कराई जाएगी। बाकी हिस्से में से अधिकांश राशि उस कर्ज से आएगी जो केंद्र सरकार ने क्रियान्वयन एजेंसी से लिया है। खास तौर पर जापान से जुड़ी कर्ज देने वाली एजेंसियों मसलन जापान इंटरनैशनल कोऑपरेशन एजेंसी और एशियाई विकास बैंक आदि। चीन से संबंधित एजेंसियां मसलन न्यू डेवलपमेंट बैंक यानी ब्रिक्स बैंक और एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक भी इसमें शामिल हैं। अहमदाबाद मेट्रो का करीब आधा पैसा जर्मन और फ्रेंच विकास बैंकों से आता है। जर्मनी बेंगलूरु मेट्रो के दूसरे चरण के लिए भी मदद कर रहा है। इनमें से कई विदेशी सरकारों की बात करें तो ऋण देने का निर्णय आंशिक रूप से मेट्रो के डिब्बों आदि की खरीद या विनिर्माण उपकरणों की खरीद में मदद करने के लिए है। इन्हें संबंधित देशों में स्थित कारखानों में बनाया जाता है। मसलन अहमदाबाद मेट्रो के लिए जर्मनी की सीमेंस कंपनी निर्माण करती है। इसके बावजूद इस दौरान कई गलतियां हुईं। दिल्ली मेट्रो की कामयाबी की सबसे बड़ी वजह यह है कि वहां कोई अन्य उपनगरीय रेल सेवा नहीं है जो इतने विस्तृत दायरे में काम करती हो। इसके अलावा उसने बहुत जल्दी अपने नेटवर्क में उल्लेखनीय विस्तार और उसका प्रबंधन किया। सच यह है कि शहरों में शुरू की जा रही दिखावटी मेट्रो सेवाओं से देश में वास्तविक प्रभाव और मांग वाली मेट्रो दरअसल हल्की उपनगरीय रेल सेवा है। गत सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-मेरठ लाइट रेल लिंक की शुरुआत की जो उत्तर प्रदेश के इस जिले को दिल्ली से जोड़ती है। दोनों के बीच हर 15 मिनट में एक रेल शुरू की गई है। यह एक बेहतरीन उपनगरीय रेल परियोजना है। ऐसी अन्य परियोजनाओं की जरूरत है। न्यूयॉर्क, पेरिस या टोक्यो की तरह मेट्रो का वास्तविक इस्तेमाल तब हो सकता है जब शहर में कई स्टॉप और स्टेशन हों। इतना ही नहीं ज्यादातर लोगों को मेट्रो स्टेशन पहुंचने के लिए 15 मिनट से ज्यादा पैदल न चलना पड़े। यहां तक कि दिल्ली में भी जहां स्टेशन बड़े और दूर-दूर हैं वहां ये मानक पूरे नहीं होते। आश्चर्य नहीं कि आईआईटी दिल्ली के शोधकर्ताओं द्वारा कराए गए अध्ययन ने संकेत दिया है कि एक भी भारतीय मेट्रो सवारियों के लक्ष्य को पूरा नहीं करती। मुंबई में अनुमान से एक तिहाई यात्री मिल रहे हैं। बेंगलूरु में पहले चरण में केवल छह फीसदी। ये लागत के लिहाज से भी किफायती नहीं हैं।

तिरुपति की भगदड़ सबक है प्रयागराज महाकुंभ के लिए

हमारे देश में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ और बड़ी संख्या में जनहानि का एक लंबा इतिहास है, फिर भी अतीत से सबक लेने के बजाय यह सिलसिला निरंतर जारी है। धार्मिक स्थलों पर भगदड़ का ताजा उदाहरण तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का है जो कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए एक बहुत बड़ा सबक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रयागराज में भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम होंगे ताकि यह महाआयोजन जिसमें कई करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लेना है, निष्कंटक सुख-शांतिपूर्वक सम्पन्न हो जाय।

हमारे देश में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ और बड़ी संख्या में जनहानि का एक लंबा इतिहास है, फिर भी अतीत से सबक लेने के बजाय यह सिलसिला निरंतर जारी है। धार्मिक स्थलों पर भगदड़ का ताजा उदाहरण तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का है जो कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए एक बहुत बड़ा सबक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रयागराज में भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम होंगे ताकि यह महाआयोजन जिसमें कई करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लेना है, निष्कंटक सुख-शांतिपूर्वक सम्पन्न हो जाय। आयोजकों को ध्यान रखना चाहिए कि भीड़ जुटाने से बड़ी बात भीड़ को सुरक्षित और सहज रखना है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो भारत में धार्मिक स्थलों पर और खास कर कुंभ मेलों में, भगदड़ की घटनाएं कई बार घटी हैं। उदाहरण के लिए, 1820 में हरिद्वार में कुंभ मेले के दौरान 430 लोगों की जान गई थी। 1906 और 1986 में इलाहाबाद के कुंभ मेले में भी दर्जनों श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई।

1954 में इलाहाबाद कुंभ मेले में सबसे भयावह भगदड़ हुई थी, जिसमें 500 से 800 श्रद्धालु मारे गए और 1000 से अधिक घायल हुए। अन्य उल्लेखनीय घटनाओं में 2013 का इलाहाबाद कुंभ मेला, जहां रेलवे स्टेशन पर 36 लोग मारे गए थे, और 2008 का नैना देवी मंदिर हादसा, जिसमें 146 लोगों की मृत्यु हुई थी।

हाल ही में, 8 जनवरी 2025 को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना हुई, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए। इससे पहले, 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में हुई भगदड़ में 12 लोग मारे गए थे। 2016 में केरल के पुत्तिंगल देवी मंदिर में एक बड़े हादसे में 106 लोगों की मौत हुई और 383 घायल हुए। इसी प्रकार, 2013 में रतनगढ़ माता मंदिर, मध्य प्रदेश में हुई भगदड़ में 115 श्रद्धालु मारे गए और 110 से अधिक घायल हो गए।

2016 में उज्जैन सिंहस्थ कुंभ मेला और 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में भी ऐसी घटनाएं हुईं। हाथरस के बालाजी मंदिर में भी 2017 में भगदड़ की एक घटना हुई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए। यह घटना प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की लापरवाही का परिणाम थी, जहां भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए थे। ऐसी घटनाएं स्पष्ट रूप से यह दर्शाती हैं कि भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में सुधार की आवश्यकता है। पत्र सूचना कार्यालय भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के अनुमानों के अनुसार महाकुम्भ 2025 में लगभग 45 करोड़ स्नानार्थियों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे महाआयोजन में इतनी अधिक भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य है। तिरुपति और अन्य घटनाओं से सीखे गए सबक का उपयोग इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है।

सबसे पहले, प्रशासन को एक समग्र भीड़ प्रबंधन योजना तैयार करनी चाहिए। भीड़ के प्रवाह का विस्तृत आकलन और उन्नत तकनीकों जैसे एआई-आधारित निगरानी और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग भीड़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है। अस्थायी पुलों का निर्माण, चौड़े मार्गों की व्यवस्था, और आपातकालीन वाहनों के लिए समर्पित लेन का निर्माण जैसी अवसंरचना सुधार भीड़ प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, एक मजबूत संचार प्रणाली का होना भी अत्यंत आवश्यक है। पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए जा सकते हैं। मोबाइल ऐप, एसएमएस और सोशल मीडिया का उपयोग करके बहुभाषी संदेश प्रसारित किए जा सकते हैं।

श्रद्धालु अकसर भीड़भाड़ को आध्यात्मिक अनुभव का हिस्सा मानते हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने में हिचकिचाते हैं। इस मानसिकता को बदलने के लिए जागरूकता अभियानों की आवश्यकता है, जो यह समझाएं कि सामूहिक सुरक्षा व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। इस बात को समझाना जरूरी है कि थोड़ी सी सतर्कता और अनुशासन अनगिनत जानों को बचा सकता है।

महाकुंभ 2025, अपने पैमाने के कारण, सुरक्षा और समावेशिता के लिए एक वैश्विक मानक स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। अगर हम तिरुपति त्रासदी और अन्य घटनाओं से सबक लेकर नवाचार को अपनाएं, तो हम न केवल मानव जीवन की रक्षा कर सकते हैं बल्कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा और महत्व को भी बनाए रख सकते हैं। धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य आध्यात्मिकता और शांति का अनुभव करना है, न कि भय और अव्यवस्था का सामना करना। तिरुपति और अन्य घटनाएं हमें चेतावनी देती हैं कि भीड़ प्रबंधन में लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। महाकुंभ 2025 की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम कितनी कुशलता से इन सबक को लागू कर पाते हैं। यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर श्रद्धालु का दायित्व है कि वे नियमों का पालन करें और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। धार्मिक आयोजनों को भयमुक्त और सुरक्षित बनाना ही सच्ची आस्था का प्रतीक है। भीड़ प्रबंधन के कुछ उपाय हो सकते हैं, जैसे प्लानिंग और सिमुलेशन- बड़े आयोजनों से पहले संभावित भीड़ के प्रवाह का आकलन करना और मॉक ड्रिल्स के माध्यम से व्यवस्थाओं का परीक्षण करना। स्पष्ट यातायात प्रवाह- श्रद्धालुओं के लिए एकतरफा मार्ग और इमरजेंसी वाहनों के लिए समर्पित रास्तों की व्यवस्था। टेक्नोलॉजी का उपयोग- सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और एआई आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग भीड़ को नियंत्रित और ट्रैक करने के लिए। आपातकालीन सेवाएं- प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, एंबुलेंस और प्रशिक्षित रैपिड रिस्पांस टीम की तैनाती। शिक्षा और जागरूकता- श्रद्धालुओं को सुरक्षा प्रोटोकॉल और आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया के तरीकों के बारे में शिक्षित करना। स्वयंसेवकों की भागीदारी- स्थानीय स्वयंसेवकों और सुरक्षा कर्मियों को भीड़ प्रबंधन में प्रशिक्षित करना।

सफल आयोजन के लिए सरकारी निकायों, मंदिर प्रबंधन, स्थानीय पुलिस और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। स्वयंसेवकों को भीड़ मनोविज्ञान और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से मदद कर सकें।

बतादें कि तिरुपति मंदिर भगदड़ मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। आठ जनवरी को वैकुंठ एकादशी दर्शन के दौरान मंदिर में भगदड़ मच गई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 घायल हो गए। इस घटना के बाद चंद्रबाबू नायडू की सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने इसे प्रशासनिक विफलता बताया। पहले मामले में तमिलनाडु के मेट्टूर सलेम जिले के निवासी 50 वर्षीय आर मल्लिगा शामिल है जो विष्णुनिवासम में दर्शन टोकन के लिए कतार में गिर गई। बलैयापल्ली मंडल के एक तहसीलदार पी. श्रीनिवासुलु ने एक शिकायत दर्ज कराई , जिसमें उन्होंने बताया कि मल्लिगा भक्तों की भीड़ के बीच बेहोश हो गई थी। उसे श्री वेंकटेश्वर रामनारायण रुइया सरकारी जनरल अस्पताल (एसवीआरआरजीजी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना का कारण भीड़भाड़ और पीड़िता के स्वास्थ्य को बताया जा रहा है। घटना की जानकारी पाकर मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे। शिकायतकर्ता श्रीनिवासुलु ने अपनी शिकायत में कहा, जब अन्य श्रद्धालु कतार की तरफ दौड़े तभी पीड़िता की तबीयत खराब होने लगी थी। दूसरी एफआईआर, नारायणवनम मंडल के 61 वर्षीय तहसीलदार एम. जयारामुलु द्वारा दर्ज कराई गई, जिसमें पांच अन्य भक्तों की मौत की जानकारी दी गई है। पीड़ितों में कांदिपिलि सांथी, गुडला रजनी, बोड्डेती नायडू बाबू, सूरी सेट्टी लावण्या स्वाथी और निर्मला का नाम शामिल है। शिकायत के अनुसार, पीड़ित रामानायडू स्कूल के पासपद्मावति पार्क में दर्शन टोकन का इंतजार कर रहे थे। कतार में अचानक धक्कामुक्की के कारण वे गिर पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना को लेकर विपक्षी पार्टियों के नेता चंद्रबाबू नायडू सरकार की आलोचना कर रहे हैं। टीटीडी अध्यक्ष भूमा करुणाकर ने मंदिर में भगदड़ की घटना को लेकर गठबंधन सरकार की आलोचना की। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता बताया। इस हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति दुख व्यक्त किया। भूमा करुणाकर ने वैकुंठ एकादशी दर्शन के लिए उचित व्यवस्था पर सवाल उठाया।

नए चीनी वायरस से चिंता में डूबी दुनिया

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है। नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई। चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें। चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है?

पांच साल की उम्र तक का हर बच्चा हो सकता है संक्रमित

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) चीन के बाद अब दुनिया के कई अन्य देशों में भी फैलता जा रहा है। दिसंबर के मध्य से चीन में शुरू हुआ संक्रमण अब तक भारत, मलेशिया, कजाखस्तान, ब्रिटेन, अमेरिका, ग्रीस, सिंगापुर जैसे देशों में भी रिपोर्ट किया जा चुका है। संक्रमण के बढ़ते जोखिमों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है। वैसे तो अब तक की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि एचएमपीवी ज्यादा खतरनाक नहीं है और इसके कारण गंभीर रोग विकसित होने का खतरा भी कम देखा जा रहा है, हालांकि संक्रमण के प्रसार को रोकना जरूरी है क्योंकि ये उन लोगों में स्वास्थ्य जटिलताओं को बढ़ाने वाला हो सकता है जिनकी रोग प्रतिरोधक यानी इम्युनिटी क्षमता कमजोर है। जिन देशों में अब तक संक्रमण के मामले रिपोर्ट किए गए हैं वहां की स्थिति पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि संक्रमण के ज्यादातर शिकार पांच साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग या फिर वे लोग हो रहे हैं जिनका इम्युनिटी काफी कमजोर है। ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि इस संक्रामक रोग का खतरा बच्चों में अधिक होता है, इसलिए सभी माता-पिता को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

चीन से मिल रही जानकारियों के मुताबिक वहां एचएमपीवी के शिकार अधिकतर मामले बच्चों के हैं। बच्चों में इसके खतरे को लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया, इंग्लैंड में मेडिकल प्रोफेसर डॉ पॉल हंटर कहते हैं, लगभग हर बच्चे को पांच साल की उम्र से पहले कम से कम एक बार एचएमपीवी का संक्रमण होगा। इतना ही नहीं जीवनभर में कई बार फिर इस संक्रमण का खतरा हो सकता है। ऐसा पिछले कई दशकों से चला आता रहा है, इसमें कुछ नया नहीं है। डॉ पॉल कहते हैं, संभवत- आरएनए वायरस में म्यूटेशन के कारण इस बार मामले अधिक चर्चा में हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वर्तमान में इसको लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। चूंकि इस बार नए म्यूटेशन का डर है इसलिए माता-पिता को अतिरिक्त सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के गुरुवार को 2 केस मिले हैं। पहला मामला उत्तरप्रदेश का है। लखनऊ में 60 साल की महिला पॉजिटिव पाई गई है। बलरामपुर अस्पताल के निदेशक डॉ. सुशील चौधरी ने दैनिक भास्कर से इसकी पुष्टि की। वहीं, गुजरात के हिम्मतनगर में 7 साल के एक बच्चे की लटढश् रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। हालांकि, यह रिपोर्ट प्राइवेट अस्पतला की लैब की है। सरकारी रिपोर्ट शाम तक आएगी। देश में वायरस से जुड़े कुल 11 मामले हो गए हैं। महाराष्ट्र में 3, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और यूपी में एक-एक केस सामने आए हैं। एचएमपीवी के केस सामने आने के बाद राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं। ह्युमन मेटा न्यूमो वायरस (एचएमपीवी) न्यूमोविरडी वायरस परिवार का वारिस है। एचएमपीवी 60 साल से वातावरण में मौजूद है। इसकी पहचान बाद में हुई है। यह मौसमी बीमारी की श्रेणी में आता है। अमूमन इसका संक्रमण पता ही नहीं चलता है। फ्लू जैसे लक्षण वाला यह कोई नया वायरस नहीं है। पहली बार वर्ष 2001 में इसके बारे में पता चला। नीदरलैंड में बच्चों को यह संक्रमण पाया गया था। देश में पहली बार 2003 में इस वायरस की पुष्टि हुई थी। बीजे मेडिकल कॉलेज और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे ने पहली बार बच्चों में इसकी पुष्टि की थी।

सहारनपुर की बेटी वर्णिका चौधरी को उत्तर प्रदेश की अंडर-23 महिला टीम का कप्तान बनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। सहारनपुर की बेटी वर्णिका चौधरी को उत्तर प्रदेश की अंडर-23 महिला टीम का कप्तान बनाया गया है। वर्णिका चौधरी बेहतरीन बल्लेबाज हैं, जो भारतीय अंडर-19-बी टीम की सदस्य भी रह चुकी हैं।सहारनपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव लतीफ उर्रहमान ने बताया कि एसोसिएशन के चेयरमैन मोहम्मद अकरम के मार्गदर्शन में जनपद के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गंगोह के गांव बीराखेड़ी के किसान राजपाल सिंह और सुषमा चौधरी की बेटी वर्णिका को यूपी अंडर-23 टी-20 टीम का कप्तान बनाया गया है, जो सहारनपुरवासियों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि वर्णिका चौधरी बेहतरीन बल्लेबाज हैं और भारतीय अंडर-19 बी टीम की सदस्य भी रह चुकी हैं। इसके अलावा वह उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टीम की कप्तान और उप कप्तान रह चुकी हैं। वह चैलेंजर ट्रॉफी, एनसीए जोनल ट्रॉफी, अंडर-23 यूपी वन-डे ट्रॉफी, यूपी सीनियर्स वन-डे ट्रॉफी, अंडर-19 यूपी वन-डे ट्रॉफी और यूपी टी-20 ट्रॉफी में खेल चुकी हैं। वर्तमान में वह प्रदेश की सीनियर महिला खिलाड़ी हैं। वर्णिका को कप्तान बनाने पर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, उपाध्यक्ष परविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण कालरा, संरक्षक अमर गुप्ता, राज कुमार राजू, एपेक्स सदस्य साजिद उमर, मीडिया प्रभारी सैयद मशकूर, संयुक्त सचिव महेश शर्मा, रणधीर कपूर, राजीव गोयल आदि ने खुशी व्यक्त की है।

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कटनी में निक्षय अभियान के तहत टीबी मरीजों का सम्मान और सहायता का किया वितरण

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का आज कटनी नगर आगमन हुआ और सीधे जिला अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने जिला चिकित्सालय में 100 दिवसीय निक्षय अभियान के अंतर्गत टीबी निक्षय मित्र एवं सहयोगी संस्थाओं का सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया टीवी के मरीजों को फूड बॉस्केट किट का वितरण किया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत की संकल्पना में स्वस्थ भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर विस्तार कर रही है। उन्नत चिकित्सा सेवाओं को प्रदेश के हर कोने में पहुंचाने के लिये अधोसंरचना विकास के साथ पर्याप्त चिकित्सकीय और सहायक चिकित्सकीय मैनपॉवर की व्यवस्था की जा रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य कर्मियों और जनता से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। राजेंद्र प्रसाद शुक्ल के द्वारा साक्षी यादव का भी सम्मान किया गया अपने जुड़े हुए पैसों का गुल्लक तोड़कर टीवी के मरीजों के लिए आगे बढ़कर सहयोग किया सम्मान किया गया वही वही साक्षी गोद लिया है और उनकी देखभाल कर रही है उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कि जैसे हमने कोविड महामारी में एकजुट होकर हर व्यक्ति तक जाँच और उपचार सुनिश्चित किया, वैसे ही इन 100 दिनों में हमें टीबी की व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जाँच, उपचार और जन-जागरूकता को सुनिश्चित करना है। वही पत्रकारों के सवाल की चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) वायरस को लेकर मध्य प्रदेश और भारत सरकार क्या तैयारी है इस सवाल पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि इसके लिए भारत देश अलर्ट है, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश के सभी स्वास्थ्य विभाग के साथ सभी जिले के अधिकारियों को एचएमपीवी वायरस की वर्तमान स्थिति पर विशेष ध्यान देने को कहा है।

मध्यप्रदेश के प्रतिभागी 'गुरुशिखर चैलेंज' में दिखाएंगे दमखम

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

रीवा, मध्यप्रदेश के छह साइकिलिस्ट गुजरात के मेहसाणा से राजस्थान के माउंट आबू स्थित गुरुशिखर तक होने वाली प्रतिष्ठित साइकिलिंग प्रतियोगिता 'गुरुशिखर चैलेंज' में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग में आयोजित की जा रही है, जिसमें 4 पुरुष और 2 महिला साइकिलिस्ट में शामिल हैं। रीवा जिले का प्रतिनिधित्व रीवा जिला साइकिलिंग एसोसिएशन के सदस्य अभिराम शुक्ला करेंगे। अभिराम की साइकिलिंग और फिटनेस की तैयारी एसोसिएशन के सचिव अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई है। अमन मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को जरूरी प्रशिक्षण और सहभगिता प्रदान किए है। यह प्रतियोगिता गुजरात के मेहसाणा से शुरू होकर राजस्थान के माउंट आबू के सर्वोच्च स्थल गुरुशिखर तक जाएगी, जिसकी ऊंचाई 1874 मीटर है। प्रतिभागियों को यह दूरी चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभव के साथ तय करनी होगी। मध्यप्रदेश के 6 प्रतिभागियों में से 2 इंदौर, के और 1 भोपाल और 1 रीवा से हैं। अभिराम शुक्ला का चयन राज्य के लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रदर्शन पहले से ही शानदार रहा है। इसी प्रतियोगिता में राज्य के प्रतिभागी ने पहले 35 वर्ष की आयु वर्ग में पूरी रेस को 8 घंटे 01 मिनट में पूरा कर अपनी दक्षता सिद्ध की थी। हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश के प्रतिभागी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेकर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं।

भाकियू रक्षक की बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद । सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन (रक्षक) की एक बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। मंगलौर मार्ग पर आयोजित हुई बैठक में जिलाध्यक्ष रविंद्र सैनी उर्फ काका ने कहा कि भाकियू गरीब, मजदूर, किसान और व्यापारी और वंचितों की आवाज उठाकर उन्हें न्याय दिलाने का काम करता है। साथ ही किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनके हकों के लिए संघर्ष कर रहा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रविंद्र सैनी उर्फ काका ने मोहम्मद मोनिस को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर ब्लाक अध्यक्ष कलीम प्रधान, मोहम्मद एयाज समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

हिंदुस्तान पावर के अधीन सीएसआर विभाग द्वारा स्थानीय महिलाओं के लिए चलाया जा रहा है मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान

जैतहरी । अनूपपुर, हिंदुस्तान पावर का कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) विभाग अनूपपुर जिले के जैतहरी स्थित अपने थर्मल पावर प्लांट के स्थानीय क्षेत्रों में किशोरियों और महिलाओं के मध्य मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल चला रहा है। इस पहल के तहत कंपनी ने अब तक 22 स्कूलों की छात्राओं और स्थानीय महिलाओं को 50,000 से अधिक सेनेटरी नैपकिन वितरित किए हैं, साथ ही विभाग ने उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक कराने के लिए व्यापक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए हैं। बता दें, यह पहल हिंदुस्तान पावर के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का एक हिस्सा है और पिछले 7-8 वर्षों से यह अभियान के रूप में निरंतर जारी है। इस पहल से अब तक लगभग 14,000 से अधिक स्थानीय महिलाओं एवं किशोरियों को लाभ प्राप्त हुआ है। इस कार्यक्रम के माध्यम से टीम ने दिसंबर 2024 के अंत तक, जैतहरी और अनूपपुर के आंतरिक ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु अपनी पहुंच बनाई है । आज दिनांक 9 जनवरी 2025 को विभाग द्वारा सामुदायिक केंद्र, मुर्रा में इस पहल के दूसरे चरण के रूप में सेनेटरी नेपकिन वितरण का आयोजन रखा गया, इस आयोजन के माध्यम से इस चरण के तहत 15,000 सेनेटरी नैपकिन स्थानीय स्कूलों और समुदायों की किशोरियों और महिलाओं को मुफ्त में वितरित किए जाएंगे। इस चरण का उद्घाटन लहरपुर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती शकुंतला बाई गोंड के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच महोदया ने कहा, मैं हमेशा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और महिलाओं के उत्थान की समर्थक रही हूं और यह पहल से निश्चित ही स्थानीय महिलाएं अपने स्वास्थ के प्रति जागरूक हो सकेंगी। सरपंच महोदया ने वितरण कार्यक्रम के दौरान सभी लाभार्थियों को सेनेटरी नैपकिन के उपयोग और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी बताया। विभाग प्रमुख सत्यम सलील ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और इसका एक महत्वपूर्ण तत्व स्थिरता मॉडल भी है, जिसमें स्थानीय स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं को सशक्त बनाना शामिल है। विभागीय अधिकारी रश्मि लखेरा ने बताया कि विभाग के द्वारा अब तक दो स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया है, इन एसएचजी की सदस्यों ने विभाग के सहयोग से सेनेटरी नैपकिन को पैकेज कर उन्हें बेचने के लिए एक छोटा व्यवसाय भी शुरू किया है। दुर्गा एसएचजी की सदस्य पार्वती बाई ने साझा किया, हिंदुस्तान पावर के सीएसआर टीम से मिले प्रशिक्षण ने हमें अपना व्यवसाय शुरू करने का आत्मविश्वास दिया। इस पहल ने हमें आय का एक स्रोत प्रदान किया है और हमारे व्यवसाय को विस्तार देने की क्षमता दी है, फलस्वरूप अब हम इसे समुदाय की महिलाओं तक पहुंचा पा रहे है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल, जैतहरी की प्रधानाध्यापक श्रीमती उन्नति जोशी ने बताया कि किफायती सेनेटरी नैपकिन के उत्पादन और वितरण को प्रोत्साहित करके, यह पहल न केवल मासिक धर्म स्वच्छता मानकों को बढ़ाती है बल्कि स्थानीय महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका का स्रोत भी प्रदान करती है। अन्य अथिति के रूप में उपस्थित आई टी आई, जैतहरी के प्रधानध्यापक, श्री मनोज सिंह ने इस विभागीय पहल की सराहना की। एक और अन्य अथिति के रूप में उपस्थित मॉडल स्कूल, मुर्रा लहरपुर की अध्यापिका श्रीमती मान कुमारी ने महिलाओं से चर्चा की, और परम्परागत मिथ्याओ से बचकर, सेनेटरी नेपकिन का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की तादात में किशोरियां और स्थानीय महिलाएं ने उपस्थित होकर वितरण का लाभ उठाया। बता दें कि हिंदुस्तान पावर की सीएसआर गतिविधियां स्वास्थ्य देखभाल से परे शिक्षा, आजीविका और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे ग्रामीण विकास कार्यक्रमों तक फैली हुई हैं। कंपनी अपने समग्र दृष्टिकोण से सामुदायिक विकास और स्वास्थ्य देखभाल में सार्थक प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध है।

बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने सीएम योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उन्हें दारूल उलूम में अवैध निर्माण व अन्य अनियमितताओं से कराया अवगत

बताया अधिकारियों की उदासीनता के कारण दारुल उलूम से नहीं हो रही धन की वसूली

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास लखनऊ पर भेंट की। उनके साथ राज्य मंत्री जसवंत सैनी भी थे। विकास त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराते हुए कहा है कि देवबंद दारुल उलूम में अवैध निर्माण व अवैध हेलीपैड को लेकर कई वर्षों से जांच प्रचलित है और दारुल उलूम पर करोड़ों रुपया कंपाउंडिंग के नाम पर लगाया जाना है। जिसे अधिकारियों की उदासीनता के कारण अभी तक भी वसूला नहीं गया इसी के साथ दारुल उलूम में भारी अनियमितताएं व अवैध निर्माण भी किया जा रहा है। जिस पर अंकुश लगाना अति आवश्यक है। विकास त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यह भी अवगत कराया कि वर्ष 2013 में देवबंद नगर में पुलिस से एके.-47 राइफल को छीन लिया गया था जिसकी जांच वर्तमान में प्रचलित है। किंतु उक्त प्रकरण अभी भी ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ है। सरकार बनने पर उक्त प्रकरण को एसटीएफ के हवाले भी किया गया था। उसके बाद भी आज तक एके.-47 रायफल को अभी तक भी बरामद नहीं किया गया है। जिसे बरामद कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाना नितांत आवश्यक है। विकास त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को क्षेत्र के कई अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं से भी अवगत कराते हुए उनके निराकरण की मांग की है। जिन सभी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सहमति व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द निस्तारण का भरोसा दिया है।

अरुण गुप्ता के दोबारा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए उनका स्वागत किया

पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका वह निष्ठा के साथ निवर्हन करेंगे - अरुण गुप्ता

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद। सहारनपुर, भाजपा प्रदेश संगठन की ओर से अरुण गुप्ता को पुनः नगर मंडल अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया है। कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण गुप्ता का स्वागत किया और पार्टी हाईकमान का आभार जताया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका वह निष्ठा के साथ निवर्हन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को और मजबूत बनाने का काम करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. महेंद्र सैनी, क्षेत्रीय सदस्य शिवराज सिंह रोड, पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, गन्ना समिति चेयरमैन डा. उपेंद्र सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विजय त्यागी, डा. सुखपाल सिंह, अजय गांधी, दीपकराज सिंघल, खुशीराम कश्यप, विजेश कंसल, कुलदीप सैनी, अजय गर्ग प्रदेश सहसंयोजक बुनकर प्रकोष्ठ मोहनलाल कोरी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नगर अध्यक्ष मुर्तजा कुरैशी, अब्दुल कादिर गौड़, परवेज अब्बासी, रिजवान अंसारी, नावेद कुरैशी, मास्टर फैयाज, सहजाद अली आदि ने नगर मंडल अध्यक्ष अरुण गुप्ता को शुभकामनाएं देते हुए हर्ष जताया है।

250 ऑप्टोमेट्रिक/नेत्र सहायक रिफ्रेशर प्रशिक्षण का डी एम चित्रकूट ने किया शुभारंभ

मैनुअल पुस्तिका का भी हुआ विमोचन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

चित्रकूट, परम पूज्य संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा स्थापित विश्व ख्याति प्राप्त श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई पहल की शुरुआत की है,आपको बता दे कि उत्तर प्रदेश के 250 ऑप्टोमेट्रिस्ट/नेत्र सहायक के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ- उत्तर प्रदेश में सरकारी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत 250 ऑप्टोमेट्रिस्ट और नेत्र सहायक की क्षमता और कौशल बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल का किया गया। यह कार्यक्रम सदुरु नेत्र चिकित्सालय प्रशिक्षण केंद्र, जानकीकुंड, चित्रकूट में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रकूट जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जे.एन. द्वारा किया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ,राज्य तकनीकी सलाहकार अभय द्विवेदी, एनपीसीबी एंड वीआई, उत्तर प्रदेश), श्री आर.के. करवरिया (डीपीएम-एनआरएचएम, चित्रकूट), डॉ. संतोष कुमार (डीपीएम-एनपीसीबी एंड वीआई, चित्रकूट), डॉ. बी.के. जैन (निदेशक एवं ट्रस्टी, श्री सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट), और डॉ. इलेश जैन (सीईओ एवं ट्रस्टी, श्री सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट)सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ऑप्टोमेट्रिस्ट और नेत्र सहायक के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण मैनुअल पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के सरकारी प्रणाली में कार्यरत ऑप्टोमेट्रिस्ट और नेत्र सहायक की व्यावसायिक क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में अच्छा सुधार हो सके। यह प्रशिक्षण 5 बैचों में आयोजित किया जाएगा, प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम सदुरु नेत्र चिकित्सालय, जानकीकुंड, चित्रकूट में आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जे.एन. ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षमता निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश में दृष्टि सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार लाएगा साथ ही प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षताओं को सुदृढ़ करेगा और उत्तर प्रदेश में नेत्र देखभाल सेवाओं के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करेगा। इस पहल को श्री सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट, एनपीसीबी एंड वीआई और चित्रकूट जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

मैहर रेंज में बड़ी कार्यवाही बंशीपुर में नीलगाय के बच्चे तो भदनपुर बीट में बड़े सांभर के मांस का हिस्सा बांट कर रहे आरोपी पकड़े

दोनों बीट में कुल 6 आरोपी पकड़े गए 3 फरार

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ

सतना, सतना वनमंडल अधिकारी निर्देशन में उपवन मंडल अधिकारी मैहर के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी मैहर सतीश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में वन परिक्षेत्र मैहर के अलग-अलग बीट में दबिश देकर जंगली जानवर के मांस के साथ शिकारियो को पकड़ा है। पहला मामला बंशीपुर बीट के ग्राम नरौरा का हैं जहां नीलगाय के बच्चे के मांस के साथ शिकारी अरुण साकेत पिता रामप्रसाद साकेत उम्र 24 वर्ष, शारदा साकेत पिता भरोसा साकेत उम्र 40 वर्ष , अमरजीत कोल पिता इंदल कोल उम्र 21 वर्ष को पकड़ा है वहीं मौके से दो फरार हो गए।

वहीं दूसरी कार्यवाही भदनपुर बीट में सम्हार का शिकार कर मांस काट कर हिस्सा बांट कर रहे 3 आरोपी वंशीलाल साकेत पिता बाबादीन साकेत उम्र 45 वर्ष, सुनील साकेत पिता चुन्नू साकेत उम्र 34 वर्ष, रामकरण साकेत पिता बिहारीलाल साकेत उम्र 38 वर्ष को पकड़ा है वहीं एक आरोपी मुकेश उर्फ मुक्का साकेत मौके से भाग निकला । सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 2,6,9,72 एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम1972 की धारा 2,9, 39, 44, 48, 50,51, 52,58छ, 59,60 वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

उक्त दोनों कार्यवाहीं में परिक्षेत्र सहायक मैहर रवि शंकर यादव, परिक्षेत्र सहायक भदनपुर शिवकुमार वर्मा, कार्यवाहक वनपाल रामनिवास रावत, कार्यवाहक वनपाल व्यास कुमार पाण्डेय,वन रक्षक घनश्याम कचेर, अखिलेश अहिरवार, के.सी.मिश्रा,बाल्मीक कोल, गौरीशंकर सिंह, अजय अग्रवाल, सुशील कुमार पाण्डेय,वाहन चालक कमलेश कोल एवं ग्राम वन समितियों के सुरक्षा श्रमिकों की सराहनीय भूमिका रही है।

चायनीज मांझे के ट्रांसमिशन लाइनों से संपर्क में आने से संभावित दुर्घटना के बचाव हेतु एम.पी. ट्रांसको का रोको-टोको अभियान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) की ट्रांसमिशन लाइनों के समीप चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण संभावित दुर्घटना की आशंकाओं पर अंकुश लगाने व नागरिकों को सतर्क व सुरक्षित करने प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको ने रोको-टोको अभियान चलाया है। जिसके लिये एम.पी. ट्रांसको ने स्थानीय जिला प्रशासन से चायनीज मांझे के इस्तेमाल पर रोक तथा ट्रांसमिशन लाइनों के समीप के उन क्षेत्रों को संवेदनशील और खतरनाक घोषित करने के लिये पत्र लिखकर अनुरोध किया है, जहाँ दुर्घटनाओं की आशंकाए अधिकतम है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड़ ने बताया कि प्रदेश में बहुतायत पतंग उड़ाये जाने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क करने के अलावा पोस्टर बैनर एवं पी.ए. सिस्टम के माध्यम से उन्हें सचेत एवं सतर्क किये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा है। जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके साथ ही उपभोक्ताओं को विद्युत के अनावश्यक व्यवधान का सामना न करने पड़े। दरअसल गत वर्ष राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार सहित कुछ स्थानों पर ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा के साथ पतंग फंसने की घटनाओं के बाद विद्युत व्यवधान हुआ था तथा पतंग उड़ाने वालों को भी नुकसान पहुँचा था। लेकिन एम.पी. ट्रांसको के संवेदनशील प्रोटेक्शन सिस्टम के 100 प्रतिशत ऑपरेट होने से बड़ी जनधन हानि से बचा जा सका था।

क्यों घातक है चायनीज मांझा चायनीज मांझा चीन से आने वाले धातु से लिपटी पतंग की डोरी होती है। इसमें कई तरह के केमिकल और धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जो डोरी को बिजली का अच्छा सुचालक बना देता है, जो संपर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले के लिये घातक साबित होता है, साथ ट्रांसमिशन लाइन में लिपटने से व्यापक क्षेत्र में विद्युत व्यवधान और जनधन हानि की आशंका रहती है।

कचरा प्लांट की जगह बनेगा नया हॉस्पिटल

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड और निर्माण एजेंसी के अधिकारियो के साथ बैठक की

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, नया जिला बनने के बाद मैहर में जिला स्तरीय सुविधाओं को लाने की पहल शुरू हो चुकी है. इसी क्रम में यहां नए जिला अस्पताल की नींव रखने की तैयारी चल रही है. गुरुवार को मैहर पहुंचे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जिले वासियों को यह सौगात देने की अधिकृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि मैहर के कचरा प्लांट को शिफ्ट कर नया जिला अस्पताल बनाया जाएगा. मैहर सिविल अस्पताल का उन्नयन करने के लिए राज्य सरकार के द्वारा लगभग 50 करोड़ रुपए मंजूर किए थे. लेकिन स्थान की कमी को देखते हुए स्थानीय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के द्वारा नए स्थल पर निर्माण की मांग की

जा रही थी. विधायक के आग्रह पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला गुरुवार को मैहर पहुंचे. मां शारदा के दर्शन करने के पश्चात उन्होंने अस्पताल के नए स्थल का निरीक्षण किया. साथ ही नई जगह के उपयुक्त होने पर सहमति जताई।

मैहर और अमरपाटन के बीच होगा कचरा प्लांट उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि नए जिला अस्पताल का निर्माण कचरा प्लांट में किया जाएगा. जिसके चलते इस प्लांट को मैहर और अमरपाटन के बीच शिफ्ट किया जाएगा. प्लांट को कब तक शिफ्ट किया जाएगा और अस्पताल का भूमिपूजन कब होगा अभी यह स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

सिविल अस्पताल पर है पूरी आबादी का बोझ मैहर के सिविल अस्पताल पर जिले की आबादी का बोझ है. स्थान की कमी और कर्मचारियों की कम पदस्थापना के चलते तमाम मरीजों को सतना जिला अस्पताल या फिर मेडिकल कॉलेज पर निर्भर रहना पड़ता है. यहां पर न केवल भवन का निर्माण महत्वपूर्ण होगा बल्कि डॉ की संख्या और स्टॉफ भी मंजूर किए जाने की आवश्यकता होगी।

बेटियों को यदि आगे बढ़ना है तो पढ़ना होगा पढ़ाई ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे ज्ञान प्राप्त कर किसी भी विधा में आगे बढ़ा जा सकता है - कमिश्नर डॉ.रावत

इन छात्राओं की पढ़ाई जारी रखने एवं आगे बढ़ने के लिये हर संभव प्रयास किये जायेंगे-कलेक्टर सुधीर कोचर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कमिश्नर सागर संभाग सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शाला त्यागी बालिकाओं के लिये वोकेशनल ट्रेनिंग रेडीमेड गारमेन्ट्स अंतर्गत प्रमाण पत्र वितरित किये। इस मौके पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, डिप्टी कमिश्नर विनय ?द्विवेदी, अपर कलेक्टर मीना मसराम, जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा, सैडमैंप प्रबंधक पीएन तिवारी मौजूद थे।

कमिश्नर डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने छात्राओं से कहा बेटियों को यदि आगे बढ़ना है तो पढ़ना होगा पढाई ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे ज्ञान प्राप्त कर किसी भी विधा में आगे बढ़ा जा सकता है। यह अन्धकार से रोशनी की ओर जाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा स्टेप बाय स्टेप चढ़ना पड़ेगा, हमें पैदल जाना है इसलिए हमें सीड़ी दर सीढ़ी चढ़ना पड़ेगा, तभी हम वहां तक पहुंच पाएंगे। उन्होंने बच्चियों से कहा पढ़ना मत छोड़ना किसी भी हालत में पढ़ाई करें, जितना भी समय मिले उसका पढ़ाई में उपयोग करें। मोबाइल में पढ़ाई की वस्तु देखें, सबसे पहले पढ़ें साथ में यह जो ट्रेनिंग ली है इसका भी उपयोग करें। उन्होंने छात्राओं को बुके भेंट कर स्वागत किया।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सेडमैप के अधिकारियों से कहा बालिकाओं को किस चीज की आवश्यकता है, उन्हें नोट कर लें, किसी को छात्रावास की आवश्यकता है, किसी को कॉपी किताबों की, किसी को स्कूल में एडमिशन की आवश्यकता हो तो यह चीज नोट कर ले, हम उनकी जो भी मदद कर सकते हैं पूरी मदद करेंगे, ताकि यह सभी छात्रायें आगे बढ़ सकें और शाला त्यागी बच्चों से शालागामी बच्चों में परिवर्तित हो सकें। कलेक्टर ने छात्राओं से कहा आपका प्रॉपर

ऐडमिशन छात्रावास में हो जायेगा, आपके खाने पीने की व्यवस्था सभी वहां पर हो जाएगी।

उन्होंने कहा महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह द्वारा जो इन बालिकाओं का सहयोग किया गया है ओर एक मंच दिया गया जहाँ पर न केवल यह एक ट्रेड में कौशल प्राप्त करने में माहिर हो पाई है, बल्कि यह प्रशिक्षण इनके अन्दर एक आत्म विश्वास भी जगा पायेगा और वापिस पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा इनकी पढाई जारी रखने एवं आगे बढ़ने के लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे। इनके माता पिता को भी पढाई का महत्व समझना होगा और इनकी पढाई जारी रखने में सहयोग करना होगा आज शासन द्वारा बालिकाओं के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, ऐसा कोई कारण नहीं होना चाहिए की कोई भी बालिका बीच में शाला छोड़ दे ।

कमिश्नर डॉ. रावत के समक्ष छात्राओं ने भी अपनी बात रखी जिसमें सर्वप्रथम मोनम कुर्मी ने महिला बाल विकास विभाग एवं किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम का धन्यवाद दिया ओर कहा की हम लोगों को लगा था की लगभग हमारा सपना यही तक सीमित हो चुका है, अब हम आगे नहीं बढ़ पायेंगे लेकिन प्रशिक्षण एवं लाइफ स्किल एजुकेशन के माध्यम से न केवल हमने एक हुनर सीखी बल्कि हमारे अन्दर एक आत्मविश्वास भी आया है, जो हमें निश्चित ही आगे की राह दिखा रहा है ।

ज्ञातव्य है महिला बाल विकास विभाग द्वारा किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आकांक्षी ब्लॉक तेन्दूखेड़ा अंतर्गत चिन्हित 11 ग्राम पंचायतों की 40 शाला त्यागी बालिकाओं के लिये रेडीमेड गारमेन्ट्स वोकेशनल ट्रेनिंग वन स्टॉप सेंटर में उद्यमिता विकास केन्द्र (सैडमैप) द्वारा दी गई। इन बालिकाओं ने शासकीय विभागों में एक्सपोजर विजिट कर योजनाओं के बारे में और कार्यों के बारे में जानकारी ली। शाला त्यागी बालिकाओं द्वारा सर्प्रथम महिला थाना दमोह में इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर, कलेक्ट्रेट परिषद में स्थित विभाग जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय, आदिमजाति कल्याण विभाग एवं अन्य पिछड़ावर्ग विभाग, जिला महिला स्वरोजगार (सेडमेप) प्रशिक्षण केंद्र एवं अंत में जिला अस्पताल विजिट की इनका स्वास्थ्य परीक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में किया गया ।

चायनीज मांझे के ट्रांसमिशन लाइनों से संपर्क में आने से संभावित दुर्घटना के बचाव हेतु एम.पी. ट्रांसको का रोको-टोको अभियान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) की ट्रांसमिशन लाइनों के समीप चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण संभावित दुर्घटना की आशंकाओं पर अंकुश लगाने व नागरिकों को सतर्क व सुरक्षित करने प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको ने रोको-टोको अभियान चलाया है। जिसके लिये एम.पी. ट्रांसको ने स्थानीय जिला प्रशासन से चायनीज मांझे के इस्तेमाल पर रोक तथा ट्रांसमिशन लाइनों के समीप के उन क्षेत्रों को संवेदनशील और खतरनाक घोषित करने के लिये पत्र लिखकर अनुरोध किया है, जहाँ दुर्घटनाओं की आशंकाए अधिकतम है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड़ ने बताया कि प्रदेश में बहुतायत पतंग उड़ाये जाने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क करने के अलावा पोस्टर बैनर एवं पी.ए. सिस्टम के माध्यम से उन्हें सचेत एवं सतर्क किये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा है। जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके साथ ही उपभोक्ताओं को विद्युत के अनावश्यक व्यवधान का सामना न करने पड़े। दरअसल गत वर्ष राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार सहित कुछ स्थानों पर ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा के साथ पतंग फंसने की घटनाओं के बाद विद्युत व्यवधान हुआ था तथा पतंग उड़ाने वालों को भी नुकसान पहुँचा था। लेकिन एम.पी. ट्रांसको के संवेदनशील प्रोटेक्शन सिस्टम के 100 प्रतिशत ऑपरेट होने से बड़ी जनधन हानि से बचा जा सका था।

क्यों घातक है चायनीज मांझा चायनीज मांझा चीन से आने वाले धातु से लिपटी पतंग की डोरी होती है। इसमें कई तरह के केमिकल और धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जो डोरी को बिजली का अच्छा सुचालक बना देता है, जो संपर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले के लिये घातक साबित होता है, साथ ट्रांसमिशन लाइन में लिपटने से व्यापक क्षेत्र में विद्युत व्यवधान और जनधन हानि की आशंका रहती है।

पर्यावरण मित्र आदित्य राजे सिंह प्राइड आफ सेंट्रल इंडिया अवार्ड से सम्मानित

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, रायपुर के 11 वर्षीय पर्यावरण मित्र एवं बाल योग गुरु डॉ. आदित्य राजे सिंह प्राइड आफ सेंट्रल इंडिया अवार्ड से सम्मानित किए गए । नई दिल्ली के होटल हयात मे यह सम्मान समारोह 8 जनवरी को आयोजित किया गया । आदित्य राजे सिंह को यह सम्मान केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान के हाथों दिया गया द्य अवार्ड समारोह में सेंट्रल इंडिया के जाने माने हस्तियों के बीच यह अवार्ड समारोह संपन्न हुआ । आदित्य राजे प्राइड ऑफ़ सेंट्रल इंडिया अवार्ड पाने वाले सबसे कम उम्र के

व्यक्ति रहे । यह राष्ट्रीय सम्मान उन्हें पर्यावरण एवं योग के क्षेत्र में उनके द्वारा महज 5 वर्ष की आयु से किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रदान की गई द्य आदित्य राजेश सिंह ने 10 वर्ष की उम्र में पीएचडी की मानक उपाधि हासिल कर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कर चुके हैं । आदित्य राजे के दादा के.पी सिंह, पिता अखिलेश सिंह मां नम्रता सिंह तथा बड़ी बहन आस्था ने उनकी इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर खुशी जताई और कहा कि यह हमारे पूरे परिवार, समाज ,मित्रों एवं छत्तीसगढ़ के लिए लिए बहुत ही गौरवान्वित पल है।

मनुष्य को जीते जी ऐसे कर्म करके जाना चाहिए कि आने वाले समय में हमारी पीढ़ियां उसके व्यक्तिव को याद करे- राज्यमंत्री श्री लोधी

नगर में 1978 में एक्सीलेंस स्कूल की भूमि को दान करने वाले दानदाता की मूर्ति का किया गया अनावरण

दमोह = नगर के एक्सीलेंस स्कूल के लिए 4 एकड़ भूमि दान करने वाले स्व. श्री तुलाराम यादव पट्टीदार की मूर्ति का अनावरण प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी द्वारा स्कूल परिसर में किया गया। श्री पट्टीदार ने 1978 में 4 एकड़ भूमि इसके अलावा वार्ड क्रमांक 5 में अनुसूचित जाति वार्ड के लिए भी एक एकड़ भूमि दान की थी। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा मैं स्वर्गीय तुलाराम यादव जी को हृदय से श्रद्धांजली समर्पित करता हूं जिन्होंने बच्चो की शिक्षा के लिए 4 एकड़ भूमि दान की है। वास्तव में बहुत ही अच्छा कार्य उन्होने किया है। और कहा भी गया कि कबीरा जब हम पैदा हुए जग हंसे हम रोय, ऐसी करनी कर चलो हम हंसे जग रोय। कहने का तातपर्य है कि मनुष्य को जीते जी ऐसे कर्म करके जाने चाहिए कि आने वाले समय में वो चला जाए लेकिन आने बाली पीढ़ियां उसके व्यक्तिव को याद करके समाज के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद करते रहे। इस प्रकार के काम करके हमारे स्वर्गीय तुलाराम यादव पट्टीदार करके गए है। उन्होंने कहा मैं पट्टीदार परिवार को बहुत बहुत बधाई देता हूं कि आपके पूर्वजों ने अच्छा कार्य किया। इसके अलावा राज्यमंत्री श्री लोधी ने कई वर्षो से मेन रोड से लगकर स्कूल की बाउंड्री से लगी हुई

सड़क का विवाद बना हुआ था, जिसे भी सुलझाकर सड़क बनवाने के लिए पट्टीदार परिवार से आग्रह किया है। मूर्ति अनावरण के अवसर पर पट्टीदार परिवार ने राज्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार कर 4 से 5 वार्डो तक जाने वाली सड़क को बनाने के लिए जगह प्रदान करने के लिए कहा है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण गोविन्द यादव ने दिया। साथ ही जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। साथ ही शिक्षकों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों के द्वारा ज्ञापन देकर एक्सीलेंस स्कूल का नाम भूमि दान दाता स्वर्गीय तुलाराम यादव पट्टीदार के नाम पर रखने की मांग की है। जिस पर राज्यमंत्री श्री लोधी ने आश्वासन दिया, कि इस संबंध में चर्चा की जाएगीं। साथ ही पट्टीदार परिवार के लोगो ने राज्यमंत्री सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियो का अंगवस्त्र पहनाकर एवं उपहार देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन चेतन जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, मूरत सिंह ठाकुर, रश्मि साहू, अनीता सिंह, विवेक जैन, संतकुमार पाल, संग्राम सिंह, मनोहर सिंह, बेनी पट्टीदार, विजय पट्टीदार, राजीव रसिया, सतेन्द्र जैन, वीरेन्द्र आचार्य, विपिन घोशी, दिनेश साहू, मुन्ना विश्वकर्मा, ब्रजेश लोधी, संतोष दुबे सहित अन्य गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि तथा सम्मानीय मीडियाजन मौजूद रहे। इसके अलावा राज्यमंत्री श्री लोधी द्वारा वादीपुरा ग्राम में नवीन पंचायत भवन का भूमि पूजन किया गया। ग्राम बगदरी में जनलोक कल्याण शिविर में शामिल हुए साथ ही नवीन पंचायत भवन का भूमि पूजन भी किया गया।

इंदौर रोड़ झाड़ी में दिखाई दिया 8 फीट का अजगर

वन कर्मचारियों ने पकड़ कर जंगल में छोड़ा

खरगोन

कसरावद- गुरुवार को इंदौर रोड पर झाड़ी में 8 फुट का लंबा अजगर दिखाई दिया। जिससे लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंचे वन कर्मचारियों एवं ट्रेन थैंक् यू नेचर टीम ने उसे बड़ी मुश्किल से पकड़ा और एक बोरा में डालकर ले गए। उस वक्त लोगों का हुजूम जमा हो गया जब करीब 8 फीट लंबा विशाल अजगर दिखाई दिया। सड़क की ओर आ रहे अजगर को लोगों ने देखा और वन विभाग को सूचना दी। रेस्क्यू कर ग्राम गवला के पास जंगल में छोड़ गया। इस दौरान वन विभाग के एवं ट्रेन थैंक्यु नेचर टीम के कर्मचारी सोहेल खान, टूटा यादव विक्की वर्मा, , रिटायर्ड मुकेश पाटीदार ,मौजूद थे।

विदाई समारोह का हुआ आयोजन

नम आंखों से शिक्षक महेश श्रीवास को दी विदाई

खरगोन जिले के जनपद शिक्षा केंद्र कसरावद की शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सत्राटी में पदस्थ शिक्षक महेश श्रीवास की सेवा निवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन रखा गया। सर्वप्रथम सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। उसके बाद सेवानिवृत शिक्षक महेश श्रीवास को साफा बांधकर अतिथियों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। स्कूल स्टाफ के शिक्षक हीरालाल मुकाती , बिंदा वास्कले , ऊषा वर्मा और सारिका पटेल ने शाल- श्रीफल देकर ओर उपहार स्वरूप भगवान राम जी की प्रतिमा भेंट की गई। स्कूल की प्रधान अध्यापिका बिंदा वास्कले ने उनके सफल कार्यकाल ओर सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं देकर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। स्कूल में अध्यनरत बच्चों ने भी उनके गुरु श्रीवास को उपहार देकर नम आंखों से विदाई दी। आपको बता दे कि शिक्षक महेश श्रीवास की प्रथम पोस्टिंग सन् 1984 में ग्राम सत्राटी में ही हुई थी और कई वर्षों तक उन्होंने ग्राम के विद्यालय में ही पदस्थ होकर अपनी सेवाएं दी। उनके कार्यकाल के अंतिम समय में भी वे ग्राम के विद्यालय में ही पदस्थ रहे और दिसम्बर 2024 में उनकी सेवानिवृति हुई। उनकी सेवा निवृत्त पर सभी ने भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में मुख्यरूप से एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय सत्राटी की प्रधानपाठिका बिंदा वास्कले , हीरालाल मुकाती , ऊषा वर्मा , सारिका पटेल सहित अन्य स्कूलों से पधारे अतिथि ज्योति पांडे , हेमेंद्र मंडलोई , रमेंद्र मंडलोई , संजय वर्मा , सोना राणा, सुमन रोकड़े , विजय पाटीदार , सुरभानसिंग धार्वे , त्रिज्या विसेंट , प्रकाश मंडलोई , संतोष निरगुड़े , माया भोसले , कलावती चौहान एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भारती शर्मा , रुचि धनगर , राधा निरगुडे सहित ग्राम से पधारे सरपंच प्रतीक मकवाना , करणसिंह पटेल , हिम्मत निकुम , श्याम पटेल , हिरदाराम धनगर मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियो और बच्चों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन हीरालाल मुकाती ने किया और आभार समस्त स्टाफ ने माना।

किसानों को उपज के वाजिब दाम दिलाने के लिए लड़ाई जारी - सचिन यादव

गुरूवार को बोरावां में आमजनों से की मुलाकात

अधिकारियों को दिए समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश

कसरावद विधायक सचिन यादव गुरूवार को बोरावां में आमजनों, किसानों एवं कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए । यादव ने आत्मीयता से मुलाकात करते हुए विभिन्न ग्रामों से पधारे विधानसभा स्वजनों से उनकी समस्याएं जानी । साथ ही समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की चर्चा के दौरान बताया कि विगत दिसम्बर माह में विधानसभा की कार्यवाही के चलते वे भोपाल में व्यस्त थे । स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उन्हें अपनी समस्याओं से समय समय पर अवगत कराया गया था । जिसका त्वरित समाधान किया गया । आगे कहा कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे अन्नदाता चिंतित है । उन्हें अपनी उपज के लिए समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं हो रहे हैं । इसके लिए हमारे द्वारा विधानसभा में पुरजोर मांग की । साथ ही प्रदेश में व्याप्त मँहगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मुद्दों को भी उठाया । आज किसानों को उनकी उपज के वाजिब दाम सरकार नहीं दे पा रही है, इसके लिए भी हमारी लड़ाई लगातार जारी है ।

कांग्रेस नेता तरूण बाहेती ने उठाया जनहित का बड़ा मुद्दा

हर साल 40 करोड़ रूपए का राजस्व देता है नीमच का उप पंजीयक कार्यालय, पर लोगों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं

-बारिश,ठंड और गर्मी में परेशान होते हैं क्रेता-विक्रेता, शौच के लिए पड़ता है भटकना

नीमच। पंजीयक कार्यालय नीमच शासन को हर साल करीब 40 करोड़ रु का राजस्व देता है, लेकिन विडंबना है कि जिले में सर्वाधिक राजस्व देने के बावजूद नीमच के उप पंजीयक कार्यालय में दस्तावेजों का पंजीयन और रजिस्ट्री कराने के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए, बैठने तक की व्यवस्था नहीं है । हालात यह है कि बारिश,ठंड या गर्मी में क्रेता-विक्रेता के साथ ही गवाह भी परेशान होते हैं और शौच और पीने के पानी के लिए तक भटकना पड़ता है। दु:खद है कि जिले के सभी बड़े अधिकारी कलेक्टर कार्यालय में ही बैठते हैं तो अगर कलेक्टर में इतनी अव्यवस्थाओं का आलम है तो पुरे जिले के क्या हाल होंगे। यह मुद्दा उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव व जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने कहा कि पंजीयन विभाग जिले का सबसे महत्वपूर्ण विभाग है जो दस्तावेजों का पंजीयन करने के साथ ही संपत्तियों की रजिस्ट्री भी करता है, जिससे मिलने वाला स्टाम्प शुल्क से शासन को हर साल करोड़ों रूपए का राजस्व मिलता है,लेकिन समस्या यह है कि सबसे अधिक राजस्व देने वाले विभाग की सुविधाएं भी सबसे खराब है । कांग्रेस नेता श्री बाहेती ने बताया कि नीमच कलेक्टोरेट कार्यालय में संचालित उप पंजीयन कार्यालय में जहाँ प्रतिदिन दस्तावेजों का पंजीयन व रजिस्ट्री कराने कराने के लिए बड़ी संख्या में क्रेता-विक्रेता,गवाह, सर्विस प्रोवाइडर व क्रेता- विक्रेता के परिजन आदि पहुंचते हैं,पर ठंड हो या बारिश उन्हें कलेक्टोरेट के पीछे एक गालियारे जैसी जगह में उप पंजीयन कार्यालय की खिड़की के बाहर घंटो खड़ा रहना पड़ता है। स्थिति यह है कि जहां रजिस्ट्री कराने के लिए लोगों को खड़ा किया जाता है,वहां बैठने की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और पेयजल एवं महिलाओं के सुविधाघर तक का अभाव है । अगर किसी को सुविधाघर की जरूरत महसूस होती है तो कलेक्टोरेट में प्रवेश करना पड़ता है, जिसमें सबसे अधिक महिलाएं परेशान होती है तथा बच्चों के साथ आने वाली महिलाओं को तो जमीन पर बैठना पड़ता है जबकि नियमानुसार यहाँ मातृत्व कक्ष का भी निर्माण होना चाहिए जहाँ छोटे व जन्मे बच्चों के साथ आने वाली महिलाएं बच्चों को दूध भी पिला सके।

खरीदी केंद्रो पर व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखें - कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नर्मदापुरम

सफलतापूर्वक सम्पन्न कराए धान खरीदी

लापरवाही करने वाले केंद्रों पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए

जिले में धान खरीदी सफलतापूर्वक संपन्न कराएं। खरीदी केंद्रो पर व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखें। जिन केंद्रों पर खरीदी में निर्देशों की अवेहलना और गंभीरता नहीं बरती जा रही हैं। उन पर नियमानुसार कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने उपार्जन संबंधी समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर सुश्री मीना ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में धान उपार्जन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे केंद्र जहां परिवहन धीमा हैं। वहां तौलकांटो , श्रमिकों एवं वाहनों की संख्या बढ़ाकर सुगमता और सुचारू रूप से परिवहन कराएं। उन्होंने उपायुक्त सहकारिता को निर्देशित किया है कि सभी केंद्रों पर 98 से 100 प्रतिशत परिवहन हो यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा है कि उपार्जन समिति के सभी अधिकारी नियमित रूप से केंद्रों का निरीक्षण जारी रखें। बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि अभी तक जिले में 64 उपार्जन केंद्रों पर 14793 किसानों ने स्लॉट बुक कराया हैं। जिसमें से 10927 किसानों से 132380 मीट्रिक टन धान खरीदी गई हैं। 123770 मीट्रिक टन धान का परिवहन किया गया जा चुका है। जो कुल खरीदी का 95 प्रतिशत हैं। अभी तक किसानों को 206.06 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया हैं। मिलर द्वारा भी 61060 एमटी का उठाव किया जा चुका है। समिति। द्वारा जानकारी दी गई कि कुछ केंद्रों पर नॉन एफ ए क्यू स्कंद को रिजेक्ट करवाया गया है। तथा जिन केंद्रों पर धान भीगी थी उन केंद्र के प्रभारियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। बैठक में उप संचालक कृषि श्री जे आर हेडाऊ, उपायुक्त सहकारिता श्री शिवम मिश्रा, जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति जैन सिंघई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

धार महू लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के नेतृत्व में सरपंच प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

धार बाग प्रिंट की साड़ी ड्रेस कोड में पहनकर पहुंची संसद भवन में धार जिले की आठ आदिवासी महिला सरपंच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं लोकसभा अध्यक्ष एवं ओम बिरला को भगवान बिरसा मुंडा का चित्र, बाग प्रिंट की साड़ी एवं मांडू की प्रसिद्ध खुरासानी इमली भेंट की

आयोजन में उद्बोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने अपने राजनीतिक सफर के बारे में दी जानकारी

धार। लोक सभा सचिवालय एवं जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित हो रहे 卐पंचायत से पार्लियामेंट卐 कार्यक्रम %संविधान सदन% के सेंट्रल हॉल में 6 जनवरी को आयोजित हुआ। यह अपने आप में एक अनूठा कार्यक्रम रहा। जहाँ 22 राज्यों से लगभग 500 जनजाति जनप्रतिनिधी (सरपंच,) महिला सम्मिलित हुई । पंचायत से सांसद की थीम पर आयोजित इस गरिमा में आयोजन में धार जिले की 8 आदिवासी महिला सरपंच बाग प्रिंट की ड्रेस कोड में साड़ी पहनकर शामिल हुई जो की आकर्षण का केंद्र रही। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी ने बताया कि पंचायत से संसद क्या आयोजन जिले से आठ जनजाति महिला सरपंच के प्रतिनिधि मंडल को भेजा गया था। महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य थाकार्यक्रम का मुख्य रूप से उद्देश्य था कि हम इन महिला जनप्रतिनिधियों के सशक्तिकरण की दिशा में काम करें। जब वे देश के कोने कोने से संसद भवन आएँगी, संविधान और लोकतंत्र को नजदीक से समझेंगी, तो निश्चित ही उन्हें नई प्रेरणा भी मिलेगी और वे अपने गाँव अपने क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने में और बेहतर ढंग से कार्य कर पायेंगी। नारी शक्ति वंदन कानून के बाद तो वैसे ही महिलाओं को देश निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है, आप इस कार्यक्रम को उसकी तैयारी के रूप में भी देख सकते है। धार जनप्रतिनिधि मंडल में भगवान बिरसा मुंडा जी चित्र एवं माण्डव की सुप्रसिद्ध इमली भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को बाघ प्रिंट से बनी साड़ियां भगवान बिरसा मुंडा का चित्र एवं मांडू की सुप्रसिद्ध खुरासान इमली भेंट की। राष्ट्रपति से केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने करवाया परिचय पंचायत से संसद कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू से धार जिले के सरपंच प्रतिनिधि मंडल से परिचय करवाया साथ ही बाग प्रिंट की साड़ी और खुरासानी इमली के बारे में भी राष्ट्रपति महोदय को जानकारी दी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने दिया उद्बोधन में अपना राजनीतिक परिचय केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने आयोजन के दौरान अपना राजनीतिक जीवन परिचय मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष दिया करीब आधे घंटे के उद्बोधन ने उन्होंने सरपंचों को बड़ी ही रोचक जानकारियां भी दी।इस दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष अन्तर सिंह आर्य ,महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ,जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम आदि मौजूद रहे। प्रतिनिधि मंडल में यह रहे शामिल श्रीमती धनकुवर बाई अजय डागी सरपंच ग्राम पंचायत सादलपुर जनपद पंचायत धार, श्रीमती सावित्रीबाई डाबर सरपंच ग्राम पंचायत तिसगांव जनपद पंचायत धार, श्रीमती संगीता बाई भुरेसिह अलावा ग्राम पंचायत खलबुजुर्ग खलघाट जनपद पंचायत धरमपुरी,श्रीमती मीराबाई डाबर ग्राम पंचायत भगवानिया जनपद पंचायत धरमपुरी, श्रीमती अंगुरी बाई संजय वास्कल सरपंच ग्राम पंचायत छडावद जनपद पंचायत सरदारपुर, श्रीमती मुन्नी बाई शिव मकवाना ग्राम पंचायत अमझेरा जनपद पंचायत सरदारपुर, श्रीमती लीला बाई पांचाल ग्राम पंचायत डोंगरगांव जनपद पंचायत मनावर, श्रीमती किरण राजेश वास्कल ग्राम पंचायत अजंदी मान जनपद पंचायत मनावर, फूल सिंह जी वर्मा सरपंच ग्राम पंचायत कैसुर, जनपद पचायत धार (नोडल अधिकारी) श्री तरुण जाट, (नोडल अधिकारी)सचिव ग्राम पंचायत सादलपुर यात्रा सहयोगी लाखनसिंह चौहान सादलपुर जिला धार शामिल थे।

तीन स्थानीय अवकाश घोषित

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने वर्ष 2025 के लिए जिले के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है। उक्त स्थानीय अवकाश बैंक, कोषालय एवं उप कोषालयों पर लागू नही होंगे। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में जिन तिथियों के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किए गए है उनमें मंगलवार 14 जनवरी 2025 को मकर सक्रांति पर्व, बुधवार 19 मार्च 2025 को रंगपंचमी के लिए और बुधवार 27 अगस्त 2025 श्री गणेश चतुर्थी के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

एन यू जे आई में मप्र से प्रथम बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश शर्मा का अभिनंदन किया गया

धार। राष्ट्रवादी विचारधारा के पत्रकारों का संगठन संपादक संघ मध्य प्रदेश का नव वर्ष पत्रकार मिलन% सम्मान समारोह इंदौर में आयोजित किया गया। देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन एन यू जे आई में मप्र से प्रथम बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी शर्मा का अभिनंदन करने का अवसर संपादक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश फरकिया, कार्यकारी अध्यक्ष श्री चंपालाल गुर्जर, महासचिव राजेश यादव, के साथ संघ के धार के वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र त्रिपाठी द्वारा अभिनंदन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ समाज सेवी श्री श्यामलाल जी राजदेव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नवनिर्वाचित सदस्य श्री महेंद्र दुबे व श्रीमती आभा निगम का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश शर्मा ने कहा कि 卐पत्रकारिता सत्य और तथ्यों के आधार पर जनसरोकार की होनी चाहिए卐 उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि कलम की ताकत को सदैव समाज और राष्ट्रहित में प्रयोग करें। उन्होंने एनयूजेआई के गठन की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और जनसरोकार को मजबूती देने के लिए 1972 में गठित किया गया था। उनका भाषण न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि उपस्थित पत्रकारों के लिए मार्गदर्शक भी सिद्ध हुई। खबरपालिका के रूप में हम लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। इस जिम्मेदारी का अहसास हर पल हमें रखना है। हम अनुत्पादक विषयों का प्रचार तंत्र बनने की बजाए, जनसरोकार की पत्रकारिता को बढ़ाने का संकल्प लेना है...। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री प्रवीण खारीवाल अध्यक्ष, स्टेट प्रेस क्लब एवं विशेष अतिथि श्री नकुल जी पाटीदी थे। कार्यक्रम के अध्यक्षता संपादक संघ के प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार श्री ओमप्रकाश फरकिया ने की। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में कार्यकारी अध्यक्ष श्री चंपालाल गुर्जर ने प्रकाश डाला। वही कार्यक्रम का सफल संचालन महासचिव राजेश यादव ने किया। इस अवसर पर समारोह में वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन राठौर, राजेंद्र पुरोहित, धार प्रेस क्लब के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार नकुल पाटीदी, नेताजी सुभाष मंच के मदन परमालिया, डॉ राजेंद्र सचदेव, संतोष बाजपेई, नारायण जोशी, दिनेश सालवी, अशोक बड़गुर्जर, कमलेश्वर सिंह सिसोदिया, गोविंद गुर्जर, देवीलाल गुर्जर, शरद मिश्रा, अतुल शाह, योगेश राजदेव, नरेंद्र जोशी, सहज राजदेव, नैवेद्य पुरोहित सहित इंदौर शहर के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे।

जब पत्नी ने की बड़े तोहफे की मांग तो पति ने कर दिया इतना बड़ा कांड

नेशनल डेस्क. नौकरी छोड़ने के बाद महंगे शौक पूरे करने के लिए चोर बनकर दौलत कमाने की इच्छा ने एक शख्स को अपराधी बना दिया। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने एक यूट्यूबर जॉनी कुमार को गिरफ्तार किया है, जो एटीएम में कैश डालने वाली कंपनी हिटाची कैश से दस लाख रुपये चुराकर फरार हो गया था। यह घटना 8 जनवरी 2025 की है। आरोपी ने चोरी की वजह अपनी पत्नी के महंगे शौक और बॉलीवुड में काम करने की ख्वाहिश को बताया।

चोरी की योजना और पकड़

जॉनी कुमार, जो कि बुलंदशहर का रहने वाला है, पहले हिटाची कंपनी में काम करता था। इस कंपनी का काम एटीएम में पैसे डालने का था। जॉनी को अपनी पत्नी के महंगे शौक और बॉलीवुड में नाम कमाने का जुनून था। नौकरी छोड़ने के बाद, उसने चोर बनने का फैसला किया और एटीएम में पैसे डालने का काम करते हुए कंपनी से दस लाख रुपये चुरा लिए। पुलिस को इस चोरी के बारे में सूचना मिली और जांच में जुटी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी का दावा था कि वह बॉलीवुड में काम करना चाहता था, लेकिन पत्नी के बढ़ते खर्चों ने उसे अपराध की राह पर धकेल दिया।

परिवारिक विवाद और बढ़ती जरूरतें

जॉनी के परिवारिक हालात भी काफी जटिल थे। उसने प्रेम विवाह किया था, लेकिन इसके कारण उसके परिवार ने उसे घर से निकाल दिया था। इसके बाद, जॉनी अपनी पत्नी के साथ खोड़ा में किराए के कमरे में रहने लगा था। घर की बढ़ती जरूरतों और पत्नी के महंगे शौक को पूरा करने के लिए उसने गलत रास्ता अपनाया और बड़ी चोरी को अंजाम दिया।

पुलिस की कार्रवाई के बाद जेल

पुलिस ने जॉनी कुमार को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ थाना फेज वन में धारा 305/317(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कोर्ट में पेशी के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने चोरी की घटना को सिर्फ अपनी इच्छाओं और आर्थिक तंगी के चलते अंजाम दिया था।

चलती कार से गिरकर पति की मौत पर

पत्नी ने सौतन पर ठोका 70 लाख का हर्जाना, कोर्ट ने सुनाया अजीब फैसला

इंटरनेशनल डेस्क. चीन में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति की नशे में कार से गिरकर मौत हो गई और उसकी पत्नी ने पत्नी के अंतिम संस्कार के बाद मृतक की प्रेमिका से मुआवजा की मांग की। मामला इतना विवादास्पद हो गया कि यह कोर्ट तक पहुंच गया, जहां अदालत ने पत्नी की मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया, लेकिन प्रेमिका को कुछ राशि देने का आदेश दिया।

यह घटना साल 2022 की है जब वांग नामक व्यक्ति और लियू नाम की महिला के बीच प्रेम संबंध शुरू हुए थे। वांग, जो शादीशुदा था, अपनी पत्नी से अलग होकर लियू के साथ समय बिता रहा था। जुलाई 2023 में दोनों के बीच तकरार हुई, जिसके बाद वे एक होटल में खाना खाने के बाद कार से यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वांग नशे में था और सीट बेल्ट लगाए बिना गाड़ी में बैठा था। लियू गाड़ी चला रही थी, और अचानक वांग चलती कार से गिर पड़ा।

हादसे के बाद क्या हुआ?

गिरने के बाद लियू घबराई और उसने वांग को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस बुलाई। लेकिन 24 घंटे बाद वांग की मौत मस्तिष्क की चोट के कारण हो गई। पुलिस ने जांच में पाया कि वांग के द्वारा सीट बेल्ट न पहनने के कारण यह हादसा हुआ। इसके बावजूद लियू को दोषी नहीं ठहराया गया, क्योंकि यह पूरी घटना वांग की लापरवाही का परिणाम थी।

पत्नी का मुआवजा मांगने का कदम

वांग की पत्नी ने इस घटना के बाद अपनी पति की प्रेमिका लियू से 6 लाख युआन (लगभग 70.36 लाख रुपये) का मुआवजा मांगने का फैसला लिया। लेकिन यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। पत्नी ने लियू को पति की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए उसे भारी मुआवजा देने की मांग की।

कोर्ट का फैसला

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद पत्नी की पूरी मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि वांग की मौत उसकी अपनी लापरवाही के कारण हुई थी और लियू को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने लियू को 65,000 युआन (करीब 8 लाख रुपये) का मुआवजा देने का आदेश दिया, जिससे इस मामले में एक हल्की राहत मिली।

इमिग्रेशन विशेषज्ञों की छात्रों को सलाह

आगामी 22 जनवरी तक कनाडाई वीजा के लिए करें आवेदन !

नेशनल डेस्क. कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा के बाद भारतीय छात्रों में नए वीजा नियमों को लेकर असमंजस की स्थिति है। हालांकि इमिग्रेशन विशेषज्ञों ने छात्रों को आगामी 22 जनवरी तक कनाडाई वीजा के लिए आवेदन करने की सलाह दी। इसकी वजह वे यह बता रहे हैं कि 22 जनवरी 2024 को कनाडाई सरकार ने प्रत्येक प्रांत में प्रवेश पाने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या पर एक सीमा लागू की थी, जिससे प्रांतीय सत्यापन पत्र (पी.ए.एल.) या प्रादेशिक सत्यापन पत्र (टी.ए.एल.) अनिवार्य हो गया था। विशेषज्ञों को मत है कि इस साल 22 जनवरी 2025 के फिर से करीब आने के साथ इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि क्या सरकार छात्र वीजा नीति से संबंधित नए नियम लागू करेगी?

पी.ए.एल. वाले छात्रों के लिए आवेदन जरूरी

इमिग्रेशन विशेषज्ञ तीरथ सिंह के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पी.ए.एल. या प्रादेशिक टी.ए.एल. पा चुके छात्रों को 22 जनवरी से पहले कनाडाई वीजा के लिए आवेदन करना चाहिए। चूंकि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सीटों के एक निश्चित कोटे के तहत प्रत्येक प्रांत द्वारा जारी किया जाने वाला पी.ए.एल. महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि अध्ययन परमिट आवेदन जनवरी 2024 में स्थापित नियम अंतर्राष्ट्रीय छात्रों पर राष्ट्रीय सीमा के भीतर आता है।

पुराने नियमों के तहत जमा कराएं निवेश प्रमाणपत्र

विशेषज्ञ यह भी सुझाव दे रहे हैं कि छात्रों को एक साल की ट्यूशन फीस का भुगतान करना चाहिए और गारंटीकृत निवेश प्रमाणपत्र (जी.आई.सी.) जमा कराना करना चाहिए। भले ही नवंबर 2023 में छात्र वीजा के लिए पेश किए गए नए नियमों के तहत जी.आई.सी. अब अनिवार्य नहीं है। पिछले एक साल में कनाडा की छात्र वीजा नीति में कई बदलावों के कारण छात्र वीजा के लिए आवेदन करने में देरी कर रहे हैं।

लॉस एंजेलिस में लगी आग ने मचाई तबाही

हॉलीवुड स्टार का 72 करोड़ में बना बंगला जलकर हुआ राख

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के लॉस एंजेलिस से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ के प्रसिद्ध पैसिफिक पैलिसेड्स इलाके में लगी भीषण आग ने कई हॉलीवुड सितारों के आलीशान घरों को अपनी चपेट में ले लिया है। पेरिस हिल्टन, स्टीवन स्पिलबर्ग, मैंडी मूर, एश्टन कुचर जैसे नामी सितारों के घर आग की भेंट चढ़ गए हैं। इस हादसे ने इन सितारों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। पेरिस हिल्टन का घर 72 करोड़ रुपए की कीमत का था, जो अब जलकर राख हो गया है।

आग पर काबू पाने में नाकाम

लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी यह आग लगातार फैलती जा रही है और अब तक इसे काबू नहीं किया जा सका है। कैलिफोर्निया में तेज हवाएं भी चल रही हैं, जो आग को और बढ़ावा दे रही हैं। आग के कारण कई हॉलीवुड सितारे अपना घर छोड़ने पर मजबूर हुए हैं और हालात बेहद खराब हो गए हैं।

आग से भारी नुकसान

पैसिफिक पैलिसेड्स, जो हॉलीवुड सितारों का एक मशहूर क्षेत्र है, अब पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका है। इस इलाके में स्थित बड़े-बड़े बंगले जलकर राख हो गए हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस भयानक आग की तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रहे हैं, जिसमें आग का विकराल रूप साफ नजर आ रहा है।

प्रियंका चोपड़ा का समर्थन

इस घटना से प्रभावित लोगों के प्रति प्रियंका चोपड़ा ने भी अपना समर्थन जाहिर किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर आग का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों का धन्यवाद करती नजर आईं। प्रियंका ने सभी प्रभावित लोगों के लिए दुआ भी की है।

सोशल मीडिया पर चर्चा

इस आग के कारण हो रहे नुकसान को लेकर सोशल मीडिया पर भारी चर्चा हो रही है।

कई लोग अपने घरों के जलने के बारे में बता रहे हैं और आग बुझाने की कोशिशों में लगे हुए अधिकारियों का आभार व्यक्त कर रहे हैं।

इस हादसे ने लॉस एंजेलिस और इसके आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना दिया है। फिलहाल राहत कार्य जारी है, लेकिन आग की चपेट में आए घरों और संपत्तियों का भारी नुकसान हुआ है।

ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ जांच पर सत्ताधारी पार्टी का विरोध

364 सांसदों ने विरोध में दिया वोट

इंटरनेशनल डेस्क. ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ जांच की मांग उठाई गई, लेकिन यह मांग ब्रिटेन की सत्ताधारी पार्टी को मंजूर नहीं है। जब ब्रिटिश संसद में इस मुद्दे पर एक विधेयक में संशोधन के लिए वोटिंग हुई, तो सांसदों ने इस मांग के खिलाफ मतदान किया। केवल 111 सांसदों ने ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ राष्ट्रीय जांच शुरू करने के पक्ष में वोट किया, जबकि 364 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। लेबर पार्टी ने इस निर्णय की आलोचना की है और विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह बच्चों की सुरक्षा और कल्याण के विधेयक को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस संशोधन से बच्चों के विकास और उनकी शिक्षा पर बुरा असर पड़ेगा। ग्रूमिंग गैंग का मुद्दा इन दिनों चर्चा में है, और दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलोन मस्क ने इस गैंग के समर्थन में कार्रवाई करने की मांग की है। मस्क ने ब्रिटिश पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं।

ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ मामला दर्ज

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जो लोग झूठ और गलत जानकारी फैला रहे हैं, वे असल में पीड़ितों की मदद में नहीं, बल्कि अपनी पहचान बनाने में रुचि रखते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जब वह 2008 से 2013 के बीच प्रॉसिक्यूशन सर्विस के डायरेक्टर थे, तो ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया गया था और उस पर उचित कार्रवाई की गई थी।

एलन मस्क ने किंग चार्ल्स से की अपील

एलन मस्क ने इस मुद्दे पर कीर स्टार्मर से सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब स्टार्मर जांच समिति के अध्यक्ष थे, तो उन्होंने आरोपितों के खिलाफ केस चलाने की अनुमति नहीं दी, और अब प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वे इस मामले को दबा रहे हैं। मस्क ने किंग चार्ल्स से अपील की है कि वह स्टार्मर को बर्खास्त करें और इसके बाद उन्हें जेल भेजने की मांग की है।

ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर दावे ने बढ़ाई यूरोप की टेंशन, स्थिति पर रूस की पैनी नजर

इंटरनेशनल डेस्क. ग्रीनलैंड को लेकर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान पर रूस करीबी निगाह रख रहा है। इस सप्ताह, ट्रम्प जूनियर ने अपने पिता के दावों को बढ़ावा देते हुए ग्रीनलैंड का निजी दौरा किया, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की बात करने से विवाद फिर से ताजगी के साथ सामने आया। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस आर्कटिक को अपने राष्ट्रीय और सामरिक हितों का हिस्सा मानता है और इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पेसकोव ने यह भी बताया कि यह मामला मुख्य रूप से अमेरिका, डेनमार्क और अन्य देशों के बीच है, लेकिन रूस आर्कटिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए रखेगा। ट्रम्प ने पहले कहा था कि अमेरिका को आर्थिक सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड और पनामा नहर दोनों की आवश्यकता है और उन्होंने इन क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए आर्थिक या सैन्य बल का उपयोग करने से इंकार नहीं किया। उनके बयान ने यूरोपीय नेताओं को चिंता में डाल दिया है, जिनमें यूरोपीय संघ की विदेश मामलों की प्रमुख काजा कालास ने ग्रीनलैंड की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज़ ने भी चेतावनी दी कि सीमाओं को बल द्वारा नहीं बदला जाना चाहिए। ग्रीनलैंड, जो एक स्वायत्त डेनिश क्षेत्र है, में अमेरिकी और डेनिश सैन्य ठिकाने हैं और यह खनिजों और तेल के अपरिष्कृत संसाधनों से भरपूर है। इसकी जनसंख्या लगभग 56,000 है, और ग्रीनलैंड की सरकार स्वतंत्रता की वकालत कर रही है, हालांकि यह अभी भी डेनमार्क से भारी सब्सिडी पर निर्भर है। ग्रीनलैंड के प्रधान मंत्री, मूटे एगेडे ने स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रीनलैंड बेचने के लिए नहीं है और इसका भविष्य उसके लोगों के हाथ में है। जबकि डेनमार्क और कनाडा अमेरिका के करीबी नाटो सहयोगी हैं, ट्रम्प के बयान को अस्थिर करने वाला माना गया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने इस बारे में चिंता को कम किया, यह कहते हुए कि यह विचार स्पष्ट रूप से अच्छा नहीं है और शायद यह कभी भी वास्तविकता में नहीं बदलेगा। यूरोपीय आयोग ने इस धमकी को अत्यधिक सैद्धांतिक और पूरी तरह से काल्पनिक बताया, यह कहते हुए कि ग्रीनलैंड के खिलाफ हमले की स्थिति में सभी यूरोपीय संघ के देशों को सहायता देने का दायित्व है। ग्रीनलैंड की नेतृत्व ने उपनिवेशवाद के बंधनों से मुक्ति की बात की है, लेकिन कई ग्रीनलैंडवासी अभी भी अमेरिका को अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक मानते हैं। कुछ समर्थक, जैसे पूर्व ग्रीनलैंड विदेश मंत्री पेले ब्रोबर्ग, ने स्वतंत्र संघ समझौते की बात की है, जो ग्रीनलैंड को स्वतंत्रता देगा और सुरक्षा जिम्मेदारियों को अमेरिका के पास छोड़ देगा। ट्रम्प के बयान को उनके कुछ सहयोगियों द्वारा समर्थन मिला है, जिनमें कीथ केलॉग, जिन्हें ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए चुना है, ने कहा कि ग्रीनलैंड पर ट्रम्प के बयान से अमेरिकी नेतृत्व की स्थिति को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य माइक वाल्ज़ ने भी कहा कि यह मुद्दा सिर्फ ग्रीनलैंड का नहीं बल्कि आर्कटिक क्षेत्र का है, जहां रूस खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। यह विवाद अभी भी बढ़ रहा है और पूरी दुनिया यह देख रही है कि अमेरिका, डेनमार्क और रूस इस संवेदनशील आर्कटिक क्षेत्र के मुद्दे को कैसे हल करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569